• जयपुर, बुधवार 1 जुलाई 26 • वर्ष 15 • अंक 243 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

शादी-ब्याह में कुछ ऐसे बैंड भी होते हैं जो बजते तो बहुत हैं, लेकिन समझ में नहीं आता, कांग्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही हो गईः भजनलाल शर्मा

यमुना जल समझौते पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जयपुर आगमन पर जोरदार स्वागत अभिनंदन

आलू से सोना तो नहीं, शेखावाटी की धरती अब उगलेगी सोनाः भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। यमुना जल समझौते के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जयपुर आगमन पर शेखावाटी क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और हजारों कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अगुवाई में जयपुर एयरपोर्ट, कनोडिया कॉलेज, रामबाग सर्किल, भाजपा प्रदेश कार्यालय और मुख्यमंत्री निवास पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। जयपुर एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री निवास तक कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। शेखावाटी सहित प्रदेशभर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं पारंपरिक स्वागत के माध्यम से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। भाजपा कार्यालय में ढोल नगाडो के साथ शेखावाटी के लोक कलाकारों ने गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर स्वागत अभिनंदन किया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने यमुना जल परियोजना को प्राथमिकता देते हुए रिकॉर्ड समय में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि सरकार गठन के तुरंत बाद 17 फरवरी 2024 को संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया गया, डीपीआर तैयार की गई और 29 जून 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में राजस्थान और हरियाणा के बीच महत्वपूर्ण समझौता संपन्न हुआ। 34 हजार करोड़ रुपए की इस महत्वाकांक्षी योजना से शेखावाटी क्षेत्र सहित प्रदेश के बड़े हिस्से को लाभ मिलेगा। तीन विशाल पाइपलाइनों के माध्यम से पानी पहुंचाया जाएगा और वर्षों से पानी की समस्या झेल रहे किसानों को राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा में हमने कहा था कि ''हम करते जाएंगे, आप देखते जाएंगे'' और आज सरकार अपने संकल्पों को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यमुना जल पहुंचने के बाद शेखावाटी की धरती हरियाली से आच्छादित होगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, पर्यटन को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सबसे अधिक समय तक शासन करने के बावजूद कांग्रेस ने कभी यमुना जल परियोजना को गंभीरता से आगे नहीं बढ़ाया। चुनाव आते ही बिना किसी ठोस योजना के केवल शिलान्यास और घोषणाएं कर जनता को भ्रमित किया जाता था। उन्होंने कहा कि कुछ नेता केवल दिखावे की राजनीति करते रहे, जबकि भाजपा सरकार ने जमीन पर काम कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर व्यंग्य करते हुए कहा कि कुछ लोग पहले ''आलू से सोना बनाने'' की बातें करते थे। भाजपा आलू से सोना बनाने का दावा नहीं करती, लेकिन यह विश्वास अवश्य दिलाती है कि शेखावाटी के किसानों को पानी मिलेगा तो यह धरती सोना उगलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक शेखावाटी के लोगों को केवल आश्वासन दिए, जबकि भाजपा सरकार ने समाधान देने का काम किया है। उन्होंने कांग्रेसी नेताओं पर तंज कसते हुए कहा कि शादी-ब्याह में कुछ ऐसे बैंड भी होते हैं जो बजते तो बहुत हैं, लेकिन समझ में नहीं आता कि क्या बज रहा है। कांग्रेस की स्थिति भी कुछ ऐसी ही हो गई है, जहां नेताओं के अलग-अलग बयान और विरोधाभासी बातें जनता को भ्रमित करने का प्रयास करती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शेखावाटी केवल विकास की भूमि नहीं, बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की धरोहर भी है। राज्य सरकार ने क्षेत्र की 600 से अधिक हवेलियों को संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए चिह्नित किया है। विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ाने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है। शेखावाटी में शिक्षा, पर्यटन, उद्योग और कृषि के क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं। सरकार का लक्ष्य है कि क्षेत्र में रोजगार बढ़े, युवाओं को अवसर मिलें और पानी की उपलब्धता से यहां का समग्र विकास सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मुखातिब होते हुए कहा कि यह मेरा नहीं, पार्टी में काम करने वाले कार्यकर्ताओं, मेरे बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक के कार्यकर्ताओं का स्वागत अभिनंदन है, उनकी जीत का स्वागत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सतत प्रयासों तथा केंद्र, राजस्थान और हरियाणा की भाजपा सरकारों के समन्वय से यह ऐतिहासिक समझौता संभव हुआ है। राठौड़ ने इस उपलब्धि के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटील तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यमुना जल परियोजना केवल एक समझौता नहीं, बल्कि शेखावाटी के किसानों, युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। कार्यक्रम में भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, भाजपा उपाध्यक्ष सुरेंद्र पाल सिंह टीटी, मुकेश दाधीच, छगन माहुर, सरिता गैना, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कैलाश मेघवाल, भूपेंद्र सैनी, डॉ मिथिलेश गौतम, प्रदेश मंत्री नारायण मीणा, अजीत मॉडण, एकता अग्रवाल, डॉ अपूर्वा सिंह, सीताराम पोसवाल, राज्य सरकार में मंत्री सुरेश रावत, झाबर सिंह खर्रा, जवाहर सिंह बेढ़म, जोराराम कुमावत, हीरालाल नागर, अविनाश गहलोत, केके विश्नोई, ओटाराम देवासी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक बाल मुकुंदाचार्य, भाजपा कार्यालय सचिव मुकेश पारीक, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया संयोजक हीरेंद्र कौशिक, आईटी संयोजक अविनाश जोशी सहित भाजपा प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

न्यूज अपडेट

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा : वोल्वो बस ट्रेलर से टकराई, चार की मौत, 25 घायल

मथुरा/एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर थाना राया क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से 25 यात्री घायल हो गए। हादसा माइलस्टोन 112-113 के बीच सुबह करीब 3:35 बजे हुआ, जब गोला बस सर्विस की एक वोल्वो बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। पुलिस के अनुसार हादसे के समय बस में करीब 65 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), क्षेत्राधिकारी महावन और थाना प्रभारी राया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग की टीम ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल, मथुरा भेजा।

जेल की सलाखों के पीछे ही रहेगा आसाराम, सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने से किया साफ इनकार

नई दिल्ली/एजेंसी। नाबालिग से रेप मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से बहुत बड़ा झटका लगा है। राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत पहुंचे आसाराम को फिलहाल मेडिकल ग्राउंड पर भी अंतरिम जमानत देने से साफ इनकार कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि वह इस मामले में अभी कोई अंतरिम जमानत नहीं देंगे, जिससे आसाराम की जेल से बाहर आने की उम्मीदों पर फिलहाल पानी फिर गया है। सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की याचिका पर राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि आसाराम एक बेहद प्रभावशाली हैसियत रखते हैं, इसलिए जमानत पर विचार करने से पहले राज्य सरकार का पक्ष सुनना जरूरी है।

असम में बाढ़ से 45,000 लोग प्रभावित, 257 गांव डूबे

गुवाहाटी/ईटानगर/एजेंसी।

अरुणाचल प्रदेश और असम में लगातार बारिश ने बाढ़ जैसे हालात कर दिए हैं। अरुणाचल प्रदेश के 12 जिले बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हैं। यहां वायुसेना राहत और बचाव कार्य में जुटी है। वहीं, असम के 5 जिलों में लगभग 45,000 लोग प्रभावित हुए हैं। हालात को देखते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन कर बात की है और पर्याप्त मदद का आश्वासन दिया है।

अरुणाचल प्रदेश में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई है। 24 जून को केयी पान्योर जिले में 5 लोग बह गए थे। इनमें से 3 के शव बरामद कर लिए गए, जबकि 2 लापता हैं। कम से कम 10 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। बीते दिन धेमाजी में भारी बारिश के बाद जोनाई के निचले इलाकों और गांवों में पानी भर गया। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में बाढ़ की स्थिति की ऑनलाइन समीक्षा की है। बारिश की वजह से रोइंग-अनिनी सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है और कई जगहों पर पुल बह गए हैं। पूर्वी सियांग में सड×क टूटने से यागरुंग, टेकांग और सिबुत गांव का संपर्क पासीघाट से कट गया। रुकसिन के लेडुम और कोरंग गांव में बादल फटने से 3 घर डूब गए और 11 को नुकसान पहुंचा। यहां रेमा पुल ढह गया जबकि बोकरंग पुल क्षतिग्रस्त हुआ है। लोअर दिबांग वैली में सिसिरी नदी पर फंसे 4 लोगों को वायुसेना ने निकाला है। असम का धेमाजी जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है। यहा 41,000 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और नलबाड़ी जिले भी बाढ़ की चपेट में हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, कुल 257 गांव पानी में डूबे हुए हैं और पूरे असम में 4,278.52 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है।

अरुणाचल के 12 जिले चपेट में

जनरल धीरज सेठ बने भारतीय सेना के नए सेना प्रमुख

नई दिल्ली/एजेंसी।

जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना के नए सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले वह सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने 30 जून, 2026 को सेना प्रमुख का कार्यभार संभाला है। उन्होंने सेना में रेगिस्तानी क्षेत्र से लेकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-विरोधी अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

जनरल धीरज सेठ के सेनाध्यक्ष बनने के साथ ही निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम आज ही सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को उन्हें नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक लॉन्स में सेना द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इससे पहले सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्होंने भारतीय सेना की बख्तरबंद कोर में कमीशन प्राप्त किया था। अपने चार दशकों के शानदार सैन्य करियर के दौरान, उन्होंने ऑपरेशनल, रणनीतिक, क्षमता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। उनके इस अनुभव ने भारतीय सेना की युद्ध क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा जनरल सेठ कई महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में विभिन्न स्तर पर कमान संभाल चुके हैं। उनके कमांड असाइनमेंट में रेगिस्तानी क्षेत्र में एक बख्तरबंद रेजिमेंट, पश्चिमी मोर्चे पर एक बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में एक आतंकवाद-विरोधी बल शामिल हैं।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन 2027 में दौड़ेगी, वापी-सूरत के बीच चलाने की तैयारी

नईदिल्ली/एजेंसी।

देश की पहली बुलेट ट्रेन का आंशिक संचालन अगले 15 महीनों में शुरू हो सकता है. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर तेजी गति से काम चल रहा है. नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड का लक्ष्य अगस्त 2027 तक वापी-बिलिमोरा-सूरत के बीच 98 किमी लंबे हाई-स्पीड कॉरिडोर को पूरा कर इसे जनता के लिए शुरू करना है.

रेलवे ने हाल ही में इस रूट पर चलने वाली बुलेट ट्रेन की एक तस्वीर भी जारी की है. रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआत में इस रूट पर दो बुलेट ट्रेनें चलाई जाएंगी. जबकि दिसंबर 2027 तक वापी से साबरमती तक 352 किमी हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है. इसी प्रकार, दिसंबर 2028 तक ठाणे-साबरमती तक कुल 492 किमी और दिसंबर 2029 तक मुंबई से अंतिम स्टेशन साबरमती तक कुल 508 किमी के मार्ग को पूरा करने की योजना है. रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे ने दिसंबर 2029 तक इस रूट पर कुल 30 बुलेट ट्रेनें चलाने के लिए तैयारी कर ली है. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का अब तक 91 प्रतिशत खंभा निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि गर्डर कास्टिंग और गर्डर लॉन्चिंग का काम तेजी से चल रहा है.

320 किमी प्रति घंटे की अधिकतम गति के साथ, यह परियोजना सीमित स्टॉप के साथ मुंबई से अहमदाबाद की दूरी महज 2 घंटे 7 मिनट में तय कर सकेगी. अगर यह ट्रेन सभी स्टेशनों पर रुकती है, तो इस यात्रा में 2 घंटे 58 मिनट का समय लगेगा. हाल ही में, एनएचएसआरसीएल के अधिकारियों ने गुजरात सरकार के मुख्य सचिव, सड×क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव (स्पेशल सीएस) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की. इस अवसर पर उन्होंने मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर परियोजना की विशेषताओं और इसके निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी.

सुभाषितम्

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है। - डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

मर्यादा के मंदिर में पारदर्शिता की घंटी कब बजेगी?

'राम' भारतीय मानस में केवल एक नाम नहीं, बल्कि मर्यादा का पर्याय हैं। इसलिए जब उनके नाम से जुड़ी किसी संस्था, ट्रस्ट या व्यवस्था पर वित्तीय अनियमितताओं, कथित गबन या अपारदर्शिता के आरोपों की चर्चा होती है, तब चोट केवल कानून को नहीं लगती है। यह घाव समाज की आत्मा पर पड़ता है। ईंट-पत्थर से बने मंदिरों की मरम्मत संभव है, लेकिन टूटे हुए विश्वास का पुनर्निर्माण सबसे कठिन कार्य है। इतना ही नहीं विडंबना यह है कि इस देश में धर्म की रक्षा के नाम पर अक्सर धर्म के मूल तत्व सत्य, ईमानदारी और उत्तरदायित्व को ही सबसे पहले किनारे रख दिया जाता है। प्रश्न पूछने वाले को संदेह की निगाह से देखा जाता है, जबकि हिसाब देने वाले से कोई प्रश्न नहीं किया जाता। मानो श्रद्धा का अर्थ विवेक का परित्याग हो। यह वही समाज है जो दान-पात्र में नोट डालते समय आँखें बंद कर लेता है और बाद में खुलासों पर आँखें मलता रह जाता है।

कबीर ने लिखा था कि, 'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।' उनका आशय भक्ति की उस अमूल्य संपदा से था जिसे हर कोई बिना मूल्य प्राप्त कर सकता है। लेकिन समय ने इस पंक्ति का ऐसा विडंबनापूर्ण रूप गढ़ दिया है कि अब कई बार यह प्रश्न उठने लगता है। क्या कहीं 'राम' साधना का नहीं, साधन का नाम बनते जा रहे हैं? क्या आस्था की छाया में जवाबदेही का सूर्य अस्त हो जाता है? ऐसे में यदि राम मंदिर या उससे जुड़े किसी ट्रस्ट के संदर्भ में वित्तीय गड़बड़ियों या कथित गबन की बातें सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनती हैं, तो सबसे पहली अपेक्षा निष्पक्ष जांच और पूर्ण पारदर्शिता की होनी चाहिए। जो संस्था स्वयं को नैतिक आदर्शों का प्रतिनिधि मानती है, उसे सामान्य संस्थाओं से कहीं अधिक कठोर सार्वजनिक परीक्षण स्वीकार करना चाहिए। यदि सब कुछ सही है तो जांच से प्रतिष्ठा बढ़ेगी; यदि नहीं, तो सुधार का मार्ग खुलेगा। दोनों ही स्थितियों में सत्य का लाभ होगा। सबसे बड़ा व्यंग्य यह है कि भगवान राम ने राजपाट त्यागकर मर्यादा बचाई थी, लेकिन आज कहीं-कहीं मर्यादा को त्यागकर प्रतिष्ठान बचाने की बेचैनी दिखाई देती है। राम ने न्याय के लिए अपने निजी सुखों का बलिदान दिया था, जबकि आधुनिक समय में कुछ लोग न्याय से बचने के लिए राम के नाम का सहारा खोजते दिखाई देते हैं। यह विरोधाभास केवल हास्यास्पद नहीं, गहरी नैतिक विफलता का संकेत है।

समाज का एक हिस्सा हर आरोप को बिना जांच अंतिम सत्य मान लेता है और दूसरा हर आरोप को बिना जांच षड्यंत्र कहकर खारिज कर देता है। दोनों प्रवृत्तियाँ लोकतांत्रिक चेतना को कमजोर करती हैं। न अंधविश्वास स्वस्थ है, न अंध-अविश्वास। आवश्यकता तथ्यों, स्वतंत्र जांच और सार्वजनिक जवाबदेही की है। कानून और नैतिकता दोनों का सम्मान तभी संभव है जब भावनाएँ प्रमाणों का स्थान न ले लें। आज हमारी सबसे बड़ी समस्या भ्रष्टाचार से भी अधिक चयनात्मक नैतिकता है। यदि आरोप किसी विरोधी पर हों तो हम न्याय की माँग करते हैं, और यदि वही प्रश्न अपने प्रिय पक्ष पर उठे तो उसे आस्था पर हमला घोषित कर देते हैं। सिद्धांतों का मूल्य तभी है जब वे व्यक्ति, दल, विचारधारा और संस्था से ऊपर खड़े रह सकें। अन्यथा नैतिकता केवल भाषणों की सजावट बनकर रह जाती है।

राम का नाम किसी आर्थिक लेन-देन की ढाल नहीं बन सकता। वह तो स्वयं सत्य की कसौटी है। यदि किसी ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के विश्वास और दान का दुरुपयोग किया हो, तो वह केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि नैतिक विश्वासघात भी होगा। और यदि आरोप असत्य हों, तो उन्हें तथ्यों और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से खारिज किया जाना चाहिए, न कि भावनात्मक नारों के सहारे। यह भी विचारणीय है कि मंदिर की भव्यता केवल शिखर की ऊँचाई से नहीं मापी जाती। उसकी वास्तविक ऊँचाई उसके लेखे-जोखे की ईमानदारी, प्रशासन की पारदर्शिता और प्रबंधन की जवाबदेही से तय होती है। संगमरमर की चमक उस समय फीकी पड़ जाती है जब हिसाब की किताब धुंधली दिखाई देने लगे। राम भारतीय संस्कृति में इसलिए पूजनीय नहीं हैं कि वे शक्तिशाली थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने शक्ति पर मर्यादा को वरीयता दी। यदि आज उनके नाम पर बनी किसी भी व्यवस्था में मर्यादा की जगह अपारदर्शिता, सत्य की जगह प्रचार और जवाबदेही की जगह मौन ले ले, तो सबसे बड़ा अपमान राम का नहीं होगा। सबसे बड़ा अपमान उन मूल्यों का होगा जिनके कारण राम युगों-युगों तक आदर्श बने रहे। समय की माँग स्पष्ट हैः श्रद्धा बनी रहे, किंतु उसके साथ साहस भी जुड़ा रहे; मंदिर खड़े रहें, लेकिन उनके साथ सत्य भी खड़ा रहे; दान आता रहे और उसके साथ सार्वजनिक लेखा-परीक्षा भी चलती रहे। क्योंकि अंततः राम की सबसे बड़ी पूजा दीप जलाने में नहीं, सार्वजनिक जीवन को मर्यादा, ईमानदारी और सत्य के प्रकाश से आलोकित करने में है।

– सोनम लववंशी, स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी

अमानत में खयानत! आगे की राह क्या हो?

गिरीश्वर मिश्र

पुण्य नगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नवनिर्मित भव्य मंदिर में चढ़ावे और दान के हिसाब-किताब की व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और व्यवस्था में कई खामियाँ नजर आ रही हैं। पवित्र सरयू नदी के तट स्थित यह अवधपुरी विगत दिनों से कई तरह के आरोप-प्रत्यारोप के बीच चर्चा में बनी हुई है। हम सबको याद है कि लंबी कानूनी लड़ाई के बाद मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ था। विगत वर्षों में अयोध्या धाम के जीर्णोद्धार के बाद वहाँ देश के विभिन्न भागों से अपार संख्या में श्रद्धालुओं और भक्तों का आना-जाना शुरू हुआ और वहाँ लोगों का जमावड़ा लगातार बना रहता है। विश्व के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की इतनी संख्या में आना कीर्तिमान बना रहा है। इन सबके बीच अयोध्या का परिवेश निश्चित ही बदल रहा है और वहाँ की व्यवस्था में सुधार भी हो रहा है। आज पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर आयोजनों के साथ अयोध्या के पूरे क्षेत्र की भौगोलिक और सामाजिक पारिस्थितिकी नया रूप ले रही है। ऐसे में पौराणिक नगरी अयोध्या राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर नई पहचान बनाने को उद्यत है।

यह क्षेत्र निश्चित ही अब देश में आर्थिक, आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व के कार्यकलापों के अभिनव केंद्र के रूप में उभर रहा है। ऐसे में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि राममंदिर की देखरेख की प्रबंध व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। उसे लेकर ताजा घटनाक्रम रामभक्तों के लिए चिंताजनक हो रहे हैं। साथ ही उसे लेकर सियासी पारा भी गर्म हो रहा है। राममंदिर की व्यवस्था को लेकर लगा आरोप न केवल बेहद संगीन है बल्कि सबके लिए शर्मनाक भी। आरोप में कहा गया है कि मंदिर में आने वाले भक्तों द्वारा जो चढ़ावा प्रभु के श्रीचरणों में श्रद्धा भाव से अर्पित होता रहा है, उसे संभालने वाले ट्रस्ट द्वारा नियुक्त कर्मी आवश्यक ईमानदारी से अपना काम नहीं कर रहे थे। वे चढ़ावे को न सुरक्षित रख पा रहे थे बल्कि उसमें अपनी मर्जी से लगातार हेराफेरी भी करते आ रहे थे। इन लोगों पर चढ़ावे में आने वाली एकत्रित धनराशि को व्यवस्थित करने यानी गिनने, रखने आदि के बीच मौजूद राशि में से कुछ राशि गायब कर देने का आरोप भी लगा है। चढ़ावे में मिली नगदी की गिनती और उसकी निगरानी व्यवस्था बहुत लचर थी और उसमें खामियां पाई गईं। दान आने के बाद जो धनराशि की गिनती करते थे उनके मंदिर प्रवेश और मंदिर से बाहर जाने पर कोई सघन निगरानी की व्यवस्था नहीं थी। इन लोगों के इस काम के लिए पात्रता और चयन प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। साथ ही भक्तों द्वारा भगवान की सेवा में अर्पित सोने-चाँदी के आभूषण आदि तथा अन्य बहुमूल्य भेंट को भी गायब करने के आरोप लग रहे हैं। बेईमानी और घूसखोरी के किस्से कई पुलिस और कोर्ट-कचहरी जैसे सरकारी जगहों और महकमों में चलते आ रहे हैं। आम आदमी उनसे सुपरिचित हैं। परंतु देवस्थान बड़े पवित्र होते हैं, उनकी मयार्दा होती है और बहुत से लोग लाचार होकर ईश्वर की शरण में आते हैं। वे अपना प्रणाम निवेदित कराते हैं और यथाशक्ति दान-दक्षिणा अर्पित करते हैं। उनकी आस्था और श्रद्धा के साथ इस तरह से खिलवाड़ अमानवीय अपराध है। राममंदिर के बही-खाते और लेनदेन की पारदर्शिता मंदिर ट्रस्ट की व्यवस्था और सरकार दोनों की साख को सुरक्षित रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आश्चर्य की बात यह है कि अयोध्या के राममंदिर परिसर से जुड़ी इस तरह की खबर पहले भी यदाकदा आती थी परंतु उस पर किसी ने कभी कोई ध्यान नहीं दिया और सारी व्यवस्था ज्यों-कि-त्यों चलती रही। ट्रस्ट के प्रबंधन पर सबका भरोसा था पर वास्तविकता कुछ और थी। जो मानक पद्धति या एसओपी तय थी, उसका पालन नहीं हो रहा था, न ही उसकी उपयुक्तता सुनिश्चित की गई थी। जो लोग काम पर लगे थे वे प्रशिक्षित न होकर कुछ लोगों की संस्तुति पर लगे थे। वहाँ प्रचलित व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया गया और सबकुछ ज्यों-का-त्यों पूर्ववत चलता रहा। तूल पड़ने पर इस मामले में करोड़ों का घोटाला करने के आरोपों में प्रथम दृष्टया सच्चाई भांप कर तत्काल कानूनी कारवाई करने और अपराधियों को दंडित करने के लिए राज्य सरकार ने जाँच बिठाने का निर्णय लिया। इस सिलसिले में उच्चस्तरीय एसआईटी गठित की गई है और उसकी आरंभिक जांच रिपोर्ट अब मिल चुकी है। एसआईटी ने मंदिर से जुड़े कर्मियों से बातचीत की, जानकारी एकत्र की और अपनी प्राथमिक रिपोर्ट सरकार को दी है। रिपोर्ट लेकर सरकार ने प्राप्त तथ्यों का संज्ञान लेकर कानून के आलोक में चढ़ावे की व्यवस्था से सीधे-सीधे जुड़े आठ मन्दिर कर्मियों के खिलाफ मुकदमा दायर कर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। इन लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

खबर है कि इन संदिग्ध कर्मियों के पास से अच्छी खासी रकम और जेवरात की भी बरामदगी हुई है। अब खबर आई है कि मंदिर ट्रस्ट से जुड़े दो शीर्षस्थ पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस क्रम में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव श्री चंपत राय और एक न्यासी डा. अनिल मिश्र ने अपने को मंदिर ट्रस्ट से अलग कर लिया है। कहते हैं कि एसआईटी के शक के घेरे में बहुत से लोग हैं जिनमें उच्च अधिकारी भी शामिल हैं। आरोप यह भी लग रहा है कि मंदिर के लिए सस्ती जमीन महंगे भाव पर खरीदी गई और अवैध कमाई की गई। जाँच के दायरे में सबकुछ है और उसके परिणाम के बाद ही कुछ आधिकारिक रूप से कहा जा सकता है। मामले की पुलिसिया जांच जारी है और अभी तक मंदिर ट्रस्ट से उसके हिसाब-किताब को लेकर कोई ब्योरा या जानकारी आधिकारिक रूप से किसी द्वारा सार्वजनिक नहीं की गई है। यह खेद का विषय है कि मंदिर ट्रस्ट अभी भी इस मामले में यथोचित रूप से गंभीर नहीं दिख रहा है। सोशल मीडिया में ट्रस्ट की और से सिर्फ.यही कहा जा रहा है कि भविष्य में ऐसा फिर न होने का उपाय किया जाएगा।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण अयोध्या भारतवासियों के मन में अत्यंत पावन केंद्र के रूप में बसी हुई है। लोक स्मृति में राम की जन्मभूमि एक मोक्षदायी तीर्थस्थल है और अयोध्या में श्रीराम मंदिर का होना सबके मन में संजोई आकांक्षा रही है जो बड़े संघर्षों और बलिदानों के बाद फलीभूत हुई। सदियों की लंबी प्रतीक्षा के बाद यह मंदिर आज के भव्य रूप में आकार पा सका। अनेक विघ्न-बाधाओं को पार कर बड़ी जबरदस्त इच्छाशक्ति के साथ इस मंदिर का पुनर्निर्माण हो सका। कहना न होगा कि बड़ी रुचि और समर्पण के साथ निर्माण कार्य हुआ और प्रभु श्रीराम की भव्य मूर्ति को इसमें स्थापित किया गया।

यह संयोग ही है कि इस राममंदिर का निर्माण जितना धार्मिक आस्था का विषय रहा है उतना ही तीव्र राजनैतिक गतिविधि से भी जुड़ा रहा है। राजनैतिक दलों द्वारा चढ़ावे में गड़बड़ी होने के मुद्दे को लेकर कई तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। जो भी हो यह तो निश्चित है कि वर्तमान व्यवस्था में अनेक छिद्र हैं और उनको ठीक करने पर तत्काल ध्यान देना होगा। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अयोध्या-धाम की प्रतिष्ठा को बचाए और बनाये रखना सबका दायित्व बनता है। मंदिर ट्रस्ट को यह सोचना होगा कि मंदिर की व्यवस्था के लिए सुयोग्य कार्यपालन अधिकारी हों जो प्रोफेशनल और तकनीकी ढंग से चाक-चौबंद और निरापद व्यवस्था को अंजाम दे सकें। भारत में अनेक मंदिर और देव स्थान हैं जहाँ पहुंचने के लिए भक्त जनों का ताँता लगा रहता है। तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी, जगन्नाथ पुरी, बदरी केदार धाम, काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकाल मंदिर उज्जैन, वैद्यनाथधाम, शिरडी साईं स्थान आदि अनेक स्थल भक्तजनों को निरंतर आकर्षित करते हैं। ऐसे स्थलों पर चढ़ावे की प्रचुर मात्रा की व्यवस्था, रखरखाव और सदुपयोग के लिए व्यापक विचार-विमर्श कर नीति बनाना जरूरी है। अच्छा हो आराधना स्थली की आवश्यकताओं को पूरा कर विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधाओं को सुधारने में चढ़ावे की धनराशि का उपयोग किया जाय। कुछ स्थलों पर ऐसा हो भी रहा है किंतु अभी भी चढ़ावे की धनराशि का सदुपयोग सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आगे आएं होनहार बच्चे

डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत प्रतिभाओं की धरती है। यहां के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे हजारों बच्चे हैं, जो अपनी उम्र से कहीं आगे बढ़कर समाज, पर्यावरण, विज्ञान, खेल, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। कोई कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखते हुए वैज्ञानिक सोच के साथ नवाचार कर रहा है, कोई जल और जंगल बचाने का अभियान चला रहा है, कोई राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में नाम रोशन कर रहा है, तो कोई अपनी संवेदनशीलता और साहस से समाज के लिए मिसाल बन रहा है। स्वभाविक है इस कार्य को मध्य प्रदेश के हमारे अपने अनेकों बच्चे भी कर रहे हैं, किंतु दुर्भाग्य यह है कि इनमें से अनेक बच्चों की प्रेरक कहानियां स्थानीय स्तर तक ही सीमित रह जाती हैं।

वास्तव में ऐसे बच्चों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश के बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों से 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए अधिक से अधिक नामांकन भेजने का आह्वान किया गया है। यह पुरस्कार उस सोच का सम्मान है, जो यह सिद्ध करती है कि परिवर्तन लाने के लिए बड़ी उम्र नहीं, बड़ा संकल्प चाहिए। यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो छोटी उम्र में भी असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार भारत का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है, जो पांच से 18 वर्ष आयु वर्ग के उन बच्चों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने असाधारण धैर्य, साहस, सृजनात्मकता और अदम्य जज्बे का परिचय दिया हो। प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में आयोजित विशेष समारोह में भ राष्ट्रपति इन प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करते हैं। पुरस्कार छह श्रेणियों, जिसमें बहादुरी, समाज सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शामिल हैं, में प्रत्येक वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के अवसर पर किया जाता है।

यह दिवस दसवें सिख गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबजादों, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान और नैतिक साहस की स्मृतियों को याद करने के लिए है। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में अपने सिद्धांतों और आस्था से समझौता न करने वाले इन वीर बालकों का जीवन आज भी बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार उसी अमर परंपरा को वर्तमान पीढ़ी की उपलब्धियों से जोड़ने का माध्यम है, जहां साहस, सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता को राष्ट्र का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त होता है।

वर्ष 2019 में इस पुरस्कार की नई व्यवस्था लागू होने के बाद से अब तक देशभर के 203 बच्चों को सम्मानित किया जा चुका है। इन बच्चों की उपलब्धियां विविध क्षेत्रों में रही हैं। किसी ने बाढ़ या आग जैसी आपदा में लोगों की जान बचाई, किसी ने वैज्ञानिक उपकरण विकसित किए, किसी ने दिव्यांगजनों के लिए उपयोगी तकनीक बनाई, किसी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए हजारों लोगों को जागरूक किया, तो किसी ने खेल या कला के क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ाया। इन प्रेरक कहानियों ने यह साबित किया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर, संसाधन या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती।

मध्य प्रदेश में भी ऐसी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जनजाति अंचलों से लेकर नगर, महानगरों तक अनेक बच्चे अपनी मेहनत और रचनात्मकता से नई पहचान बना रहे हैं। अलग-अलग दिशा में हमारे बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अब ऐसे बच्चों के कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए आवश्यक है कि समय रहते उनका नामांकन किया जाए।

अब जिन छह श्रेणियों में यह पुरस्कार दिया जाता है, उनमें अपने जीवन की परवाह किए बिना दूसरों की सहायता की हो या संकट की घड़ी में अद्वितीय साहस और सूझबूझ का परिचय दिया हो, उसे बहादुरी के अंतर्गत सम्मान ये सम्मान मिलता है। समाज सेवा श्रेणी उन बच्चों के लिए है जिन्होंने समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं, बच्चों या समुदाय के हित में प्रेरणादायी कार्य किए हों। पर्यावरण श्रेणी में प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता, जल संरक्षण, स्वच्छता और जलवायु संबंधी प्रयासों को महत्व दिया जाता है। खेल श्रेणी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए है। कला एवं संस्कृति में संगीत, नृत्य, चित्रकला, लोककला, रंगमंच और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में योगदान देने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाता है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्रेणी में ऐसे नवाचारों को मान्यता दी जाती है, जिनसे समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान हुआ हो या लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद मिली हो।

इस पुरस्कार की सबसे महत्वपूर्ण और अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी योग्य बच्चे का नामांकन उसके माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संस्था, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन या कोई भी जिम्मेदार नागरिक कर सकता है। इतना ही नहीं, यदि कोई बच्चा स्वयं को पात्र मानता है, तो वह स्व-नामांकन भी कर सकता है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि किसी प्रतिभाशाली बच्चे की उपलब्धि सिर्फ जानकारी के अभाव में छूटना नहीं चाहिए।

पात्रता की दृष्टि से आवेदक भारतीय नागरिक और भारत का निवासी होना चाहिए। 31 जुलाई 2026 को उसकी आयु 5 से 18 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा उपलब्धि या कार्य पिछले दो वर्षों के भीतर का होना चाहिए। आवेदन के साथ निर्धारित दस्तावेज, हाल का फोटो तथा उपलब्धि का संक्षिप्त विवरण नामांकन की अंतिम तिथि से पहले ऑनलाइन पोर्टल https://awards.gov.in पर जमा करना होगा।

यहां यह भी समझें कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वास्तव में उस विश्वास का प्रतीक है कि राष्ट्र अपने बच्चों की प्रतिभा, संवेदनशीलता, साहस और नवाचार को देख रहा है, समझ रहा है और उसका सम्मान कर रहा है। यह सम्मान उन बच्चों को नई पहचान देता है और लाखों अन्य बच्चों को यह संदेश देता है कि सकारात्मक सोच, निरंतर मेहनत और समाज के प्रति जिम्मेदारी किसी भी उम्र में राष्ट्रीय गौरव का कारण बन सकती है।

मध्य प्रदेश के बच्चों के लिए यह अवसर प्रदेश की नई पीढ़ी की प्रतिभा को देश के सामने प्रस्तुत करने का भी है। यदि आपके आसपास कोई ऐसा बच्चा है जिसने अपनी उम्र से कहीं बड़ा कार्य किया है, तो उसकी कहानी राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने का समय यही है। याद रखिए; सही समय पर किया गया नामांकन किसी बच्चे के जीवन की दिशा बदल सकता है और उसे देशभर के बच्चों के लिए प्रेरणा बना सकता है। संभव है, इस वर्ष राष्ट्रपति भवन में सम्मानित होने वाले असाधारण बच्चों में मध्य प्रदेश के भी हमारे कई होनहार बालक या बालिका भी शामिल हों, बस आवश्यकता है उनकी प्रतिभा को पहचानने और समय पर आगे लाने की, जो कार्य आप सभी को अपने आसपास के बच्चों की प्रतिभा को ध्यान में रखकर करना है।

(लेखिका, मध्य प्रदेश बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष हैं)

डॉक्टर्स डे : सेवा से व्यवसाय तक चिकित्सा का बदलता चेहरा

कुमार कृष्णन

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिवस महान चिकित्सक, शिक्षाविद् और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय की स्मृति में मनाया जाता है। उन्होंने चिकित्सा को केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानव सेवा का सर्वोच्च माध्यम माना। किंतु आज जब चिकित्सा क्षेत्र तीव्र गति से व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चिकित्सा अभी भी सेवा है या वह लाभ कमाने का उद्योग बनती जा रही है?

डॉक्टर्स डे केवल चिकित्सकों का सम्मान करने का अवसर नहीं है, बल्कि चिकित्सा व्यवस्था के आत्ममंथन का भी दिन है। यह दिन हमें उन चिकित्सकों को याद करने की प्रेरणा देता है जिन्होंने मानवता को सर्वोपरि रखा और उन चुनौतियों पर विचार करने का अवसर भी देता है जिनके कारण चिकित्सा का मानवीय चेहरा धुंधला पड़ता जा रहा है।

भारतीय संस्कृति में वैद्य को भगवान के समान माना गया है। प्राचीन आयुवेर्दाचार्यों ने चिकित्सा का उद्देश्य रोगी को स्वस्थ करना और उसके जीवन की रक्षा करना बताया। चरक और सुश्रुत जैसे महर्षियों ने चिकित्सक के लिए करुणा, संयम, नैतिकता और सेवा को अनिवार्य गुण माना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने तकनीकी प्रगति अवश्य की है, परंतु उसके साथ चिकित्सा का स्वरूप भी तेजी से बदला है।

आज बड़े-बड़े कॉरपोरेट अस्पताल अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। आधुनिक मशीनें, रोबोटिक सर्जरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान और उन्नत उपचार ने चिकित्सा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। लेकिन इसी के साथ उपचार की लागत भी लगातार बढ़ी है। अनेक परिवार गंभीर बीमारी के कारण आर्थिक संकट में फंस जाते हैं। कई बार यह आरोप भी लगता है कि अनावश्यक जांच, महंगी दवाइयां और गैर-जरूरी प्रक्रियाएं केवल आर्थिक लाभ के लिए कराई जाती हैं।

चिकित्सा के इस व्यावसायिक स्वरूप ने डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास के रिश्ते को प्रभावित किया है। पहले चिकित्सक परिवार का अभिन्न हिस्सा माने जाते थे। आज अनेक स्थानों पर मरीज डॉक्टर को संदेह की दृष्टि से देखने लगा है। यह स्थिति चिकित्सा व्यवस्था और समाज, दोनों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि पूरी चिकित्सा व्यवस्था को एक ही दृष्टि से देखना न्यायसंगत नहीं होगा। हजारों ऐसे चिकित्सक हैं जो आज भी सीमित संसाधनों में ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी इलाकों और दूर-दराज के गांवों में निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे हैं। वे कठिन परिस्थितियों में भी मरीजों की जान बचाने के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। महामारी, प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना जैसी परिस्थितियों में इन्हीं चिकित्सकों ने अपने परिवार से अधिक समाज को प्राथमिकता दी है।

हाल के वर्षों में वैश्विक महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि डॉक्टर केवल पेशेवर नहीं, बल्कि संकट के समय मानवता के सबसे बड़े रक्षक होते हैं। जब पूरा समाज घरों में सुरक्षित था, तब डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी अस्पतालों में जीवन बचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने स्वयं संक्रमित होकर अपने प्राण तक गंवा दिए। यह त्याग चिकित्सा के वास्तविक स्वरूप का परिचायक है।

चिकित्सा के बढ़ते व्यवसायीकरण के पीछे केवल डॉक्टर ही जिम्मेदार नहीं हैं। महंगी चिकित्सा शिक्षा, निजी अस्पतालों की आर्थिक संरचना, दवा उद्योग का दबाव, चिकित्सा उपकरणों की ऊंची कीमत, बीमा प्रणाली की जटिलताएं तथा बढ़ती कानूनी चुनौतियां भी इस स्थिति के महत्वपूर्ण कारण हैं। निजी मेडिकल शिक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च करने वाले अनेक युवा चिकित्सकों पर आर्थिक दबाव रहता है। ऐसे में चिकित्सा सेवा और आर्थिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है।

दूसरी ओर मरीजों की अपेक्षाएं भी पहले की तुलना में काफी बढ़ गई हैं। हर स्थिति में शत-प्रतिशत सफलता की उम्मीद की जाती है, जबकि चिकित्सा विज्ञान संभावनाओं पर आधारित है, पूर्ण निश्चितता पर नहीं। उपचार असफल होने पर कई बार चिकित्सकों पर हिंसा तक हो जाती है। ऐसी घटनाएं चिकित्सा सेवा के वातावरण को प्रभावित करती हैं और डॉक्टरों के मनोबल को भी कमजोर करती हैं।

समाधान केवल चिकित्सकों की आलोचना में नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक मानवीय और पारदर्शी बनाने में है। सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। चिकित्सा शिक्षा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना भी आवश्यक है। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में नैतिक मूल्यों और संवाद कौशल को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

डॉक्टरों को भी यह स्मरण रखना होगा कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि रोगी के मन में विश्वास और आशा का संचार करना है। एक मधुर व्यवहार, सहानुभूतिपूर्ण संवाद और ईमानदार परामर्श कई बार महंगी दवा से अधिक प्रभावी सिद्ध होता है। समाज की भी जिम्मेदारी है कि वह सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान करे। प्रत्येक डॉक्टर को केवल कुछ नकारात्मक घटनाओं के आधार पर नहीं परखा जाना चाहिए। आज भी अनेक चिकित्सक निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाते हैं, गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज करते हैं और मानवता की सेवा को अपना धर्म मानते हैं। ऐसे चिकित्सकों के कारण ही चिकित्सा पेशे की गरिमा बनी हुई है।

डॉक्टर्स डे का वास्तविक संदेश यही है कि चिकित्सा विज्ञान और मानवीय संवेदनाएं साथ-साथ चलें। तकनीक आवश्यक है, लेकिन करुणा उससे भी अधिक आवश्यक है। अस्पताल आधुनिक हों, पर उनमें मानवता का स्पर्श बना रहे। डॉक्टर कुशल हों, लेकिन साथ ही संवेदनशील भी हों।

भारत जैसे विशाल देश में स्वस्थ समाज का निर्माण केवल आधुनिक अस्पतालों से नहीं होगा, बल्कि ऐसे सेवाभावी चिकित्सकों से होगा जो मरीज में केवल एक केस नहीं, बल्कि एक इंसान देखें। चिकित्सा यदि सेवा की भावना से जुड़ी रहेगी तो डॉक्टर का स्थान समाज में सदैव ईश्वर के बाद ही रहेगा। डॉक्टर्स डे हमें यही याद दिलाता है कि चिकित्सा का सर्वोच्च आदर्श धन अर्जित करना नहीं, बल्कि जीवन बचाना है। सेवा, करुणा, ईमानदारी और मानवीय संवेदना–यही वे मूल्य हैं जो चिकित्सा को व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सबसे पवित्र साधना बनाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि चिकित्सा जगत और समाज मिलकर विश्वास, नैतिकता और सेवा की उस परंपरा को पुनर्जीवित करें, जिसने सदियों से चिकित्सक को धरती का भगवान कहलाने का सम्मान दिलाया है।

आज का राशिफल

मेष- अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

वृष- महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कर्क- राजकीय कार्यों से लाभ। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

सिंह- अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कन्या- कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था के लिए जोड़-तोड़ करना पड़ेगा।

तुला- पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ- स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी।

मीन- सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा करेंगे 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस (एनसीईजी) का शुभारंभ

'न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन' के विजन को साकार करने में डिजिटल गवर्नेंस देश में परिवर्तन का सशक्त माध्यम : मुख्य सचिव

चमकता राजस्थान

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम सुशासन' के विजन को साकार करने में डिजिटल गवर्नेंस देश में परिवर्तन का सशक्त माध्यम बना है। प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकारी सेवाओं की पहुंच, गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा नागरिकों और शासन के बीच की दूरी लगातार कम हुई है। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस (एनसीईजी) के संबंध में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में डिजिटल गवर्नेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए आरआईसी, जयपुर में 1 एवं 2 जुलाई को आयोजित होने वाली 29वीं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस देशभर के नीति-निर्माताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, स्टार्टअप्स एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान करेगी, जहां भविष्य की तकनीक आधारित, एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल शासन व्यवस्था पर व्यापक मंथन होगा।

सम्मेलन का आयोजन भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'विकसित भारत 2047: एआई सक्षम, डेटा संचालित एवं सुरक्षित डिजिटल गवर्नेंस' रखी गई है।

इस दौरान भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग के अतिरिक्त सचिव पुनीत यादव तथा श्रीमती सरिता चौहान, प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के शासन सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर, आयुक्त हिमांशु गुप्ता सहित वरिष्ठ विभागीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्घाटन, जनउपयोगी डिजिटल सेवाओं का होगा लोकार्पण

कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन बुधवार, 1 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन समारोह के दौरान एनसीईजी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया जाएगा तथा प्रदेश की विभिन्न जनउपयोगी डिजिटल सेवाओं का शुभारंभ भी होगा। गुरुवार, 2 जुलाई 2026 को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 प्रदान किए जाएंगे।

डिजिटल गवर्नेंस के भविष्य पर होगा विचार-विमर्श

दो दिवसीय सम्मेलन में 2,700 से अधिक प्रतिनिधि, 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता, भारत सरकार के वरिष्ठ सचिव, विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, 400 से अधिक शिक्षाविद, 1,100 से अधिक स्टार्टअप्स एवं उद्यमी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा शोधकर्ता भाग लेंगे। सम्मेलन में 6 प्लेनरी सेशन एवं 6 ब्रेकआउट सेशन आयोजित होंगे, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित गवर्नेंस, सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, स्मार्ट पुलिसिंग, पब्लिक सेफ्टी, डीप टेक, वॉयस-फर्स्ट सॉल्यूशंस तथा भविष्य की डिजिटल प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे।

42 प्रदर्शनी स्टॉल्स पर दिखेगा डिजिटल भारत का नवाचार

कॉन्फ्रेंस परिसर में 42 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल्स लगाए गए हैं, जहां केंद्र एवं विभिन्न राज्यों के डिजिटल नवाचारों के साथ राजस्थान सरकार की प्रमुख ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। राजस्थान सरकार जन आधार, ई-मित्र, राजस्थान संपर्क-181, राजकाज, राज किसान साथी, स्मार्ट गवर्नेंस एवं स्टेट डेटा सेंटर सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की उपलब्धियों को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करेगी। सम्मेलन के दौरान आईटी प्लेटफॉर्म एवं बिल्डिंग ब्लॉक्स हैंडबुक का भी विमोचन किया जाएगा।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कारों से होगा उत्कृष्ट नवाचारों का सम्मान

डिजिटल सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों एवं परियोजनाओं को सम्मेलन के दौरान 16 राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (स्वर्ण एवं रजत) तथा एक विशेष जूरी पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

स्टार्टअप्स को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

सम्मेलन के अंतर्गत आईएसबी हैदराबाद के सहयोग से राजस्थान एआई बिल्डर्स पिच-ए-थॉन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 1,700 स्टार्टअप्स ने भागीदारी दर्ज कराई है। श्रेष्ठ तीन स्टार्टअप्स को क्रमशः एक लाख, पचास हजार एवं पच्चीस हजार रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। साथ ही चयनित स्टार्टअप्स को आईएसबी हैदराबाद के विशेष मेंटरशिप एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ मिलेगा। सम्मेलन में नैसकॉम नॉलेज पार्टनर के रूप में सहयोग कर रहा है। वहीं मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सहित देश के प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों को भी सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लालसोट पुलिस की बड़ी कार्रवाई: हत्या के मुख्य आरोपियों को बाइक देकर फरारी में मदद करने वाला पिंटू सिंह गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के लालसोट थाना पुलिस ने हत्या के चर्चित मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपियों को मोटरसाइकिल उपलब्ध कराकर फरारी में मदद करने वाले आरोपी पिंटू सिंह को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर रेंज के महानिरीक्षक राहुल प्रकाश (IPS) और जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित (IPS) के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार, 10 अप्रैल 2026 को धर्मेन्द्र उर्फ योगेन्द्र मीणा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई लेखराज मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दयाल ढाबे पर खाना खाने के बाद बाहर निकलते ही स्विफ्ट कार में सवार आरोपियों चेतराम गुर्जर उर्फ राहुल खटाणा, जसराम गुर्जर, देशराज गुर्जर सहित अन्य ने धर्मेंद्र पर फायरिंग कर दी। गोली छाती में लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में लालसोट थाने पर हत्या, आर्म्स एक्ट और एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। जांच के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर सामने आया कि पिंटू Singh ने मुख्य आरोपियों को बाइक देकर फरार होने में मदद की। अपराध प्रमाणित होने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई में थाना प्रभारी पवन कुमार सहित पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

शारीरिक शिक्षक के सेवानिवृत्त होने पर विदाई-सम्मान समारोह आयोजित, ग्रामीणों ने किया भावभीना सम्मान

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। ग्राम पंचायत कुण्डल के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खोहरा खुर्द में मंगलवार को शारीरिक शिक्षक सुरेश चंद शर्मा (उपाध्याय) के सेवानिवृत्त होने पर भावभीना विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान मंचासीन अतिथियों एवं सेवानिवृत्त शिक्षक सुरेश चंद शर्मा का पुष्पमाला पहनाकर एवं साफा बांधकर स्वागत-सत्कार किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि सुरेश चंद शर्मा ने अपने सेवाकाल के दौरान विद्यार्थियों को खेलकूद, अनुशासन और संस्कारों की शिक्षा देकर विद्यालय व समाज में विशेष पहचान बनाई। उनके मार्गदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ग्रामीणों और विद्यालय स्टाफ ने उनके समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा एवं सरल व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। इस अवसर पर कई वक्ताओं ने उनके उज्ज्वल भविष्य, स्वस्थ जीवन और सुखद सेवानिवृत्ति की कामना की।

कार्यक्रम का समापन स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं सभी के आभार प्रदर्शन के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। मौके पर भाजपा जिला मंत्री ं५ सियाराम शर्मा,भीखनारायण शर्मा, सुगन लाल मीणा युवा नेता,लाला राम जांगिड़ वार्ड पंच, राजेन्द्र शर्मा,भवानी शंकर शर्मा,समस्त विद्यालय स्टाफ, एवं अन्य ग्रामीण लोग मौके पर मौजूद रहे।

सिवास में शनि महाराज मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

चमकता राजस्थान/घेनडी / (विकास शर्मा)। अधिक मास की पूर्णिमा को सिवास ग्राम में शनि महाराज के मंदिर पर गाजे बाजे के साथ ध्वजा चढ़ाई गई । सर्वप्रथम मंदिर पुजारी जालाराम गर्ग द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा पूजा अर्चना कर विधिवत रूप से ढोल नगाड़ों व महिलाओं के मंगल गीतों के साथ ध्वजा चढ़ाई गई । इस मौके पर समाजसेवी कपूर दास वैष्णव, पूर्व सरपंच प्रकाश चौहान, घिसुलाल हीरागर , वरिष्ठ कांग्रेस नेता मदनलाल चौहान , हीरालाल तेली , देवेंद्र सिंह सहित ग्रामीण उपस्थित थे ।

बौली पंचायत शिक्षक व विद्यालय सहायक संघ ने नियमितीकरण के लिए संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा

चमकता राजस्थान

रिपोर्टर /सूरज मल वैष्णव/ बौली। राजस्थान पंचायत शिक्षक एवं विद्यालय सहायक संघ ने मंगलवार को भरतपुर संभाग मुख्यालय पर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन संभागीय आयुक्त के माध्यम से भेजा गया, जिसमें पंचायत शिक्षकों और विद्यालय सहायकों के नियमितीकरण की मांग की गई है।

जिलाध्यक्ष हेमराज दीक्षित और तहसील बौंली-मित्रपुरा अध्यक्ष शिवराम गुर्जर के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि सेवा नियम-2022 के तहत पंचायत शिक्षकों एवं विद्यालय सहायकों के नियमितीकरण की प्रक्रिया वर्षों से लंबित है। संघ ने कहा कि हजारों संविदाकर्मी शिक्षा विभाग में पूरी निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन नियमित नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

संघ की प्रमुख मांगों में सेवा नियम-2022 के अनुसार सभी पात्र संविदाकर्मियों का शीघ्र नियमितीकरण करना, नियमित कर्मचारियों के समान वेतनमान व ग्रेड-पे देना, संविदा पर की गई सेवा अवधि को नियमित सेवा में जोड़ना और नियमितीकरण प्रक्रिया के लिए निश्चित समय-सीमा तय करना शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान तहसील अध्यक्ष शिवराम गुर्जर के साथ हरकेश गुर्जर, रामेश्वर मीणा, आसाराम मीणा, शिवप्रसाद शर्मा, रामस्वरूप गुर्जर, वीर सिंह गुर्जर, प्रदीप कुमार खंडेलवाल और कमलेश कुमार मीणा सहित बौंली क्षेत्र के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संघ ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं किया गया, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

उपखण्ड अधिकारी ने ग्रामीण सेवा शिविर का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान

- **लाभार्थियों को पट्टे, आयुष्मान कार्ड एवं बंटवारा प्रस्ताव वितरित किए**
- **जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के दिए निर्देश**

ब्यावर। उपखण्ड अधिकारी ब्यावर दिव्यांश सिंह ने मंगलवार को उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सुरड़िया में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को पट्टों, आयुष्मान भारत कार्ड तथा बंटवारा प्रस्तावों का वितरण किया।

निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं काउंटरों का अवलोकन कर विभागवार प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित करें तथा शिविर में प्राप्त प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक विभाग निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रभावी कार्य करते हुए बेहतर प्रगति सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि जिन विभागों की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ निराकरण करते हुए शिविरों को जनहितकारी एवं परिणामोन्मुख बनाने के निर्देश दिए।

उपखण्ड अधिकारी ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा शिविर के माध्यम से उपलब्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध मूलभूत व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जोधपुर की उषा गर्ग प्रांतीय स्तर पर सेवा के लिए हुई सम्मानित

चमकता राजस्थान/मनीष मेहता जोधपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल प्रांत 3233ई 2 के जोधपुर लायंस अब जोधपुर एक्टिव की अध्यक्ष ऊषा गर्ग सम्मानित हुई नव निर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट संजीव व्यास सचिव अमित पेड़ीवाल उपाध्यक्ष गीता खेतानी कोषाध्यक्ष वीणा हरवानी राजुल बोराणा एडवोकेट नीलम गोयल एडवोकेट नीलम सोनी जी द्वारा वर्ष भर कार्यक्रम के सहयोग के लिया सम्मानित किया गया।

शहरी सेवा शिविर बना मददगार, सीकरी के गुरुनाम सिंह को मौके पर मिला आशियाने का पट्टा

चमकता राजस्थान/राकिब खांन/डीग। राज्य सरकार द्वारा आमजन को त्वरित राहत प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे शहरी सेवा शिविर अभियान 2026 के तहत नगर पालिका सीकरी में मंगलवार को आयोजित शिविर एक और नागरिक के लिए बड़ी सौगात लेकर आया। शिविर में प्रशासनिक सजगता के चलते लंबे समय से लंबित कार्य का मौके पर ही निस्तारण कर लाभार्थी को मालिकाना हक सौंपा गया।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सीकरी निवासी गुरूनाम सिंह पुत्र सुक्खा सिंह ने अपने आवास के पट्टे के लिए नगर पालिका सीकरी में आवेदन किया था। मंगलवार को आयोजित शहरी सेवा शिविर के दौरान उपखण्ड अधिकारी सीकरी एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सीकरी द्वारा नियमों के तहत त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए लाभार्थी गुरुनाम सिंह को मौके पर ही उनके आवास का वैध पट्टा सुपुर्द किया गया। बिना किसी विभागीय चक्कर के गांव में ही आशियाने का मालिकाना हक मिलने पर लाभार्थी अत्यंत प्रसन्न हुए। पट्टा प्राप्त करने के बाद गुरुनाम सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए इस कल्याणकारी अभियान के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपखण्ड प्रशासन तथा नगर पालिका प्रशासन सीकरी का सहृदय आभार व्यक्त किया और कहा कि इस संवेदनशील पहल से उनके पूरे परिवार का बरसों पुराना सपना सच हुआ है।

शहरी सेवा शिविर 2026 का विधायक नौक्षम चौधरी ने किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश, छह पट्टों का किया वितरण

चमकता राजस्थान

अमर दीप सेन डीग पहाड़ी। राज्य सरकार के जनकल्याणकारी अभियान के तहत आयोजित शहरी सेवा शिविर 2026 के अंतर्गत नगर पालिका पहाड़ी में आयोजित शिविर का स्थानीय विधायक नौक्षम चौधरी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर अधिकारियों से आमजन को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली तथा शिविर में पहुंचे लोगों की समस्याएं भी सुनीं।

निरीक्षण के दौरान विधायक नौक्षम चौधरी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, इसलिए किसी भी पात्र व्यक्ति को सरकारी सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों से आमजन के साथ संवेदनशील व्यवहार रखते हुए उनकी शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करने पर विशेष जोर दिया।

शिविर के दौरान विधायक नौक्षम चौधरी ने छह पात्र लाभार्थियों को भूमि के पट्टों का वितरण भी किया। पट्टे प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने राज्य सरकार और विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से लंबित उनकी मांग आज पूरी हुई है।

विधायक ने कहा कि ऐसे सेवा शिविरों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे लोगों का समय और धन दोनों बच रहे हैं। उन्होंने आमजन से सरकार द्वारा आयोजित शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

इस अवसर पर नगर पालिका के अधिकारी राजकुमार, एसडीएम जोगेंद्र सिंह, तहसीलदार धर्म सिंह, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि पूर्व सरपंच विक्की गुर्जर पहाड़ी, सरपंच ताहिर धीमरी, सरपंच राजमल छपरा, पूर्व सरपंच डालचंद गुप्ता गोपालगढ़, एडवोकेट प्रमोद शर्मा एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में लोगों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान भी किया गया।

संक्षिप्त समाचार

सुदर्शना नगर ने पवनपुरी को हराकर ट्राफी पर कब्जा किया,

● भावेश मैन ऑफ दी मैच रहे

चमकता राजस्थान/बीकानेर। शहीद भगत सिंह पार्क विकास समिति की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश में सुर्दशना नगर जुनियर क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला घड़सीसर स्थित दी सुपर पॉवर प्ले टर्फ बॉक्स में खेला गया। जिसमें सुदर्शना नगर की टीम ने पवन पुरी टीम को 7 विकेट से हराकर ट्राफी पर कब्जा जमाया। समिति के संयुक्त सचिव मनीष भोजक ने बताया कि पवनपुरी टीम ने टास से जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने निर्धारित 10 ओवर में 60 रन बनाए। कात्तिक विजयवर्गीय ने 24 रन व लक्षित सेवग ने 18 रन बनाये। सुर्दशना नगर के भावेश व अन्सू ने क्रमश 2-2 विकेट लिये। लक्षच्य का पीछे करती सुर्दशना नगर के कप्तान भावेश देवडा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 4 छक्के 5 चौकों की सहायता से अविजित रहते 50 रन बनाये। उन्होंने अपनी टीम को 6 ओवर में एक विकेट के नुकाशन पर 61 रन बनाकर फाइनल मुकाबला जीत लिया। भावेश मैन ऑफ दी मैच रहे। मैच समाप्त के बाद पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जिला क्रिकेट संघ के सयुक्त सचिव शंकर सेवग, क्रिकेट कोच रिजवान खान, पंकज जागिंड, तरुण भोजक ने सभी खिलाड़ियों को मैडल व ट्राफी देकर सम्मानित किया। शंकर सेवग ने कहा ग्रीष्मकालीन अवकाश में उभरती हुई न्यू जेनरेशन की प्रतिभाओं को आगे लाने का प्रयास किया जा रहा है। अम्पायर ऋषुराज शर्मा व स्कोरिंग हार्दिक ने की। सभी का धन्यवाद हमेन्त सेवग ने ज्ञापित किया।

अपना घर स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने पर रक्तदान शिविर, भीषण गर्मी में 105 यूनिट रक्तदान, युवाओं का उत्साह

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर। अपना घर आश्रम की स्थापना के 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्षच्य में सोमवार को बाड़ी शहर में अपना घर इकाई द्वारा सत्यनारायण धर्मशाला में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद शहर के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मात्र छह घंटे में 105 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। शिविर में कोतवाली थानाधिकारी देवेंद्र कुमार शर्मा एवं उनकी पत्नी ने स्वयं रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बाड़ी सीओ महेंद्र कुमार मीणा, थानाधिकारी देवेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. शिवदयाल मंगल एवं अधिशासी अधिकारी उत्तमचंद बंसल, मुन्नालाल मंगल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आ''ान किया तथा भीषण गर्मी में सफल आयोजन के लिए अपना घर इकाई के पदाधिकारियों की सराहना की। कार्यक्रम में अग्रवाल सभा अध्यक्ष दिनेश गर्ग बागथरिया एवं भाजपा नेता अनिल गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे। गौरतलब है, कि 29 जून 2000 को डॉ. बी.एम. भारद्वाज द्वारा भरतपुर में अपना घर आश्रम की स्थापना की गई थी। आज यह संस्था देश के विभिन्न राज्यों में आश्रम संचालित कर असहाय, निराश्रित, विमंदित, मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं अनाथ लोगों की सेवा में समर्पित है। स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस शिविर में अपना घर पुरुष एवं महिला इकाई के पदाधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।शिविर में सचिव हरिओम सिंगल, कोषाध्यक्ष कपिल गर्ग, महिला अध्यक्ष कुसुम मित्तल, सचिव नीलम मंगल, विमला गर्ग, लता मंगल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का संस्था द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। आयोजन को सफल बनाने में विष्णु महेरे, भुवनेश्वर शर्मा, सुनील गर्ग, रामनिवास अग्रवंशी, पप्पू काकरई वाले, रामवीर पोसवाल, मुनीष बंसल, विनोद गोयल, नीरज गौड़, अशोक गोयल, अंशुल गर्ग, रामसेवक मंगल, रिंकू कुशवाहा, हरिओम गर्ग एवं राकेश शर्मा सहित अनेक समाजसेवियों ने सहयोग प्रदान किया।

पांचना बांध जल विवाद का 20 वर्ष बाद हुआ समाधान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर दोनों पक्षों में बनी सहमति, लिखित समझौता संपन्न

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन और राज्य सरकार की सकारात्मक पहल से करौली जिले के पांचना बांध के पानी के वितरण को लेकर दोनों पक्षों में 20 वर्ष पुराने विवाद का समाधान हो गया। जयपुर के शिक्षा संकुल में हुई समझौता वार्ता के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम की उपस्थिति में लिखित समझौता संपन्न हुआ। सभी जनप्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में जनहित को सर्वोपरि रखते हुए सहमति बनाई।

● 2100 एमसीएफटी क्षमता का बांध, 10 हजार हेक्टेयर में होती है सिंचाई

उल्लेखनीय है कि 2100 एमसीएफटी क्षमता के पांचना बांध से लगभग 10,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है, किंतु वर्ष 2006 के बाद से बांध से कमांड क्षेत्र की नहरों में जल प्रवाह नहीं हो रहा था। गुडला सहित क्षेत्र के 21 राजस्व गांव लगातार यह मांग कर रहे थे कि बांध से लिफ्ट सिंचाई परियोजना के माध्यम से उन्हें पानी उपलब्ध कराया जाए, तभी नहरों में जल प्रवाह की अनुमति दी जाए। 20 वर्ष से चली आ रही इस मांग को पूरा करने के लिए अब तक कोई गंभीर प्रयास नहीं किए गए थे।

● मुख्यमंत्री की बजट घोषणा से बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2026-27 के बजट में गुडला क्षेत्र के इन 21 राजस्व गांवों को लिफ्ट सिंचाई स्कीम के माध्यम से पानी दिए जाने की घोषणा की थी। इस बजट घोषणा से क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना। इसके बाद नहरों की मरम्मत के लिए 11.50 करोड़ रुपए की लागत से कार्य प्रारंभ किया गया, जो अब पूरा होने की ओर है। आज की चर्चा के दौरान इस योजना के धरातल पर क्रियान्वयन को सुनिश्चित किए जाने के क्रम में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत द्वारा आश्वासन दिया गया।

तय होगी पानी छोड़ने की तारीख, जल्द शुरू होगी टेस्टिंग

प्रेस वार्ता के दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनकी सकारात्मक सोच के चलते दोनों पक्षों में संवाद के बाद सहमति बनी। उन्होंने कहा कि सरकार ने दोनों पक्षों की जायज मांगें मान ली हैं। साथ ही, बांध का पानी छोड़े जाने को लेकर सात दिन के भीतर विभाग तारीख तय कर लेगा। अब नहरी तंत्र का तकनीकी आकलन करते हुए इसकी टेस्टिंग के लिए जल प्रवाह शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों द्वारा सिंचाई क्षेत्र को विकसित करने तथा कमांड क्षेत्र के भीतर लिफ्ट योजना के माध्यम से सिंचाई तंत्र को सुदृढ़ करने की मांग को लेकर भी शीघ्र कार्य शुरू करने का आश्वासन दिया गया है।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने राज्य सरकार की इस पहल का स्वागत करते हुए सभी पक्षों से नहरों में जल प्रवाह शीघ्र प्रारंभ किए जाने का आग्रह किया। वहीं मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दो दशक पुराने इस विवाद को सुलझाने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उपस्थित किसानों को आपसी सहयोग, समन्वय और सौहार्द बनाए रखने के लिए धन्यवाद दिया।

बैठक में उपस्थित अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग राजस्थान जयपुर अभय कुमार, ए.डी.जी.पी. डायरेक्टर आरपीए संजीव नार्जरी, शासन सचिव ग्रामीण विकास विभाग कृष्ण कुणाल, महानिरीक्षक भरतपुर कैलाश चन्द बिश्नोई, संभागीय आयुक्त भरतपुर नलिनी कठोतिया, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग भुवन भास्कर तथा जिला कलेक्टर करौली एवं सवाई माधोपुर, पुलिस अधीक्षक करौली एवं सवाई माधोपुर ने परियोजना में उत्पन्न गतिरोध के समाधान से जुड़े सभी पहलुओं तथा राज्य सरकार द्वारा की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया।

इस अवसर पर गुडला संघर्ष समिति, ग्रामोत्थान संस्था एवं गंभीर नदी जल बचाओ समिति के प्रतिनिधियों ने भी दो दशक पुरानी समस्या का समाधान करने पर भजनलाल सरकार का आभार व्यक्त किया।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार मेरा युवा भारत (माय भारत) और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में 'युवा-वरिष्ठ नागरिक संवाद कार्यक्रम' का आयोजन किया गया।

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/ दौसा। कार्यक्रम का उद्देशच्य युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच संवाद स्थापित कर वृद्धजनों के अनुभवों से नई पीढ़ी को प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान माय भारत के स्वयंसेवकों ने पुनर्वास गृह में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय मुलाकात की, उनके जीवन के अनुभव सुने और उनके साथ समय बिताकर संवेदनशीलता का परिचय दिया। युवाओं ने वृद्धजनों को भोजन एवं अल्पाहार परोसते हुए सेवा भाव भी प्रदर्शित किया। इस दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, योग, खेलकूद, स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

जिला युवा अधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के तहत युवाओं को समाज के विभिन्न वर्गों के साथ जोड़कर सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का व्यावहारिक अनुभव कराया जा रहा है। कार्यक्रम का समापन राजेश पायलेट स्टेडियम में आयोजित समारोह के साथ हुआ, जहां उत्कृष्ट सहभागिता के लिए युवा स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया।

बिना सत्यापन चल रहे धर्मकांटों पर कार्रवाई, 18 हजार रुपए का जुर्माना

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। उपभोक्ताओं को सही तौल एवं माप सुनिश्चित कराने के लिए उपभोक्ता मामले विभाग ने जिलेभर में धर्मकांटों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की है। अभियान के दौरान बिना वैध सत्यापन संचालित चार धर्मकांटे पकड़े गए, जिन पर कुल 18 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं सत्यापन प्रमाण-पत्र निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित नहीं करने वाले संचालकों पर भी कार्रवाई करते हुए 2,500 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना लगाया गया। विधिक माप विज्ञान अधिकारी नीरज वर्मा ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से जिले में धर्मकांटों की विशेष जांच की जा रही है। इसी क्रम में 16 धर्मकांटों का निरीक्षण किया गया। जांच में श्री बालाजी धर्मकांटा (बापी), श्री गणेश कम्प्यूटरीकृत धर्मकांटा महआ, लक्ष्मी कम्प्यूटरीकृत धर्मकांटा मंडावर और सैनी कम्प्यूटरीकृत धर्मकांटा सिकराय बिना वैध सत्यापन के संचालित पाए गए।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में धर्मकांटों एवं अन्य तौल उपकरणों की नियमित जांच आगे भी जारी रहेगी। संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी उपकरणों का समय-समय पर सत्यापन कराकर ही उपयोग करें, अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान प्रान्तीय तैलिक साहू महासभा जयपुर (राजस्थान) ने कार्यकारिणी में किया विस्तार

चमकता राजस्थान/भीलवाड़ा। भीलवाडा शहर में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक व सामाजिक जागृति महासम्मेलन के दो दिवसीय कार्यक्रम के सफल व सुव्यवस्थित क्रियान्वयन हेतु कमेटी बनाकर निम्न पदाधिकारियों की नियुक्तियां की जिसमे संयोजक प्रहलाद दीया (पत्रकार) हरणी भीलवाडा सह-संयोजक देवराज तेली, भीलवाडा सह-संयोजक एडवोकेट कुशल साहू भीलवाडा को तत्काल नियुक्ति दी और पदाधिकारियों को अधिकृत किया कि संगठन के पदाधिकारियों से विचार-विमर्श व आपसी सहमति से उक्त कार्यक्रम के स्थान चयन, कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्न कमेटियां का गठन एवं सभी प्रमुख पुलिस प्रशासनिक स्वीकृतियां, विभिन्न व्यवस्थार्थ कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों व कार्यक्रम की सभी प्रमुख रूपरेखा तैयार कर प्रदेश संगठन को अवगत करावें

अतःआपसे अपेक्षा की जाती है की आप इस कार्यक्रम को पुरे भाव व मन से सफल बनाने के लिये सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं से सतत सम्पर्क व सहयोग प्राप्त कर इस कार्यक्रम को सफल क्रियान्वयन बनायगें।बधाई एवं शुभकानाओं के साथ ही उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

12 वर्षीय देवेंद्र की मौत पर आक्रोश! डॉक्टर अब तक गिरफ्तार नहीं; 'गरीब को इंसाफ कब?'

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/दिवा। दिवा के श्लोक नगर इलाके में 12 वर्षीय देवेंद्र की मौत के मामले में लोगों में भारी आक्रोश है। घटना को एक महीना बीत जाने के बावजूद कथित बंगाली डॉक्टर के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया जा रहा है। धड़ाकेबाज युवा प्रतिष्ठान, महाराष्ट्र राज्य के संस्थापक अध्यक्ष अमोल धनराज केंद्रे ने मामले में कई गंभीर सवाल उठाते हुए आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है।

केंद्रे ने आरोप लगाया कि जिस जगह पर कथित फर्जी डॉक्टर क्लीनिक चला रहा था, वहां कोई अधिकृत बोर्ड तक नहीं लगा था। जब वह पंजीकृत डॉक्टर नहीं था, तो उसे क्लीनिक चलाने के लिए दुकान किसने उपलब्ध कराई? उस दुकान को अब तक सील क्यों नहीं किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने वहां इलाज और दवाइयां बांटने से मना किया था, फिर भी वह लगातार मरीजों का इलाज कैसे करता रहा?

उन्होंने सवाल उठाया कि यदि मार्च महीने में डॉक्टरों का सर्वे किया गया था, तो उसी समय उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इसके अलावा तीन वर्ष पहले सात महीने के गर्भपात के एक मामले में भी इसी व्यक्ति का नाम सामने आया था। उस समय भी उचित कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इसकी जांच होनी चाहिए।

जलवायु अनुकूल मक्का उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण का आयोजन

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। एशिया मक्का कार्यक्रम, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित तनाव-संवेदनशील कृषि पारिस्थितिकी में जलवायु अनुकूल मक्का पर किसान परिवारों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र, चित्तौड़गढ़ पर आयोजित किया गया। इसमें चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति के नारेला गांव के 8 परिवारों से 20 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया

केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रतनलाल सोलंकी ने बताया कि मक्का फसल के बीज शीघ्रता से अपनी अंकुरण क्षमता खो देते हैं, इसलिए बोने से पूर्व बीज का अंकुरण प्रतिशत जांचना आवशच्यक है। बुवाई के लिए संकर किस्म 18 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर, कम्पोजिट किस्म 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा हरे चारे के लिए 40 से 45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवशच्यकता होती है। संकर किस्मों के लिए हर साल नया बीज खरीदकर प्रयोग करें।

36 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के बाद अध्यापिका नीलम शर्मा सेवानिवृत्त, विद्यालय को दिए 31 हजार

चमकता राजस्थान

रायसिंहनगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय की वरिष्ठ अध्यापिका नीलम शर्मा के सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह समारोह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके 36 वर्षों के समर्पित शिक्षण कार्य, विद्यालय के प्रति योगदान और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर था।

विद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके बाद प्रधानाध्यापक ने नीलम शर्मा के सेवाकाल, उनकी कार्यशैली और विद्यालय के विकास में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नीलम शर्मा ने अपने पूरे कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

अपने संबोधन में नीलम शर्मा ने कहा कि ₹शिक्षण केवल एक पेशा नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के निर्माण का एक पावन कर्तव्य है।₹ उन्होंने विद्यार्थियों को सदैव अनुशासन, सत्य और ईमानदारी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

समारोह के दौरान विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह पल अत्यंत भावुक और गरिमामयी रहा, जहां उपस्थित कई लोगों की आंखें नम हो गईं।

सेवानिवृत्ति के उपरांत नीलम शर्मा ने विद्यालय के प्रति अपनी आत्मीयता का परिचय देते हुए विद्यालय विकास के लिए 31,000 की सहयोग राशि भी भेंट की, जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के बाद एक निजी रिसोर्ट में जलपान एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय स्टाफ, परिवारजन एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया और नीलम शर्मा के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की।

विद्यालय स्टाफ ने नीलम शर्मा के कार्यकाल की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा और उनकी सेवाओं को विद्यालय परिवार हमेशा याद रखेगा।

3 जुलाई को वेव्स ओटीटी पर रिलीज होगी राजस्थान की पहली वैश्विक पहचान बनाने वाली फिल्म 'ओमलो'

चमकता राजस्थान

अविनाश शर्मा/जयपुर। राजस्थान की मिट्टी की सोंधी महक, वहां की संस्कृति, लोक जीवन और भावनाओं को दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म मंचों तक पहुंचाने वाली राजस्थानी-हिंदी फिल्म ''ओमलो'' अब दर्शकों के दिलों तक डिजिटल माध्यम से पहुंचने के लिए तैयार है। प्रतिष्ठित कान्स फिल्म मार्केट में अपनी विशेष स्क्रीनिंग और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त सराहना हासिल करने के बाद अब यह चर्चित फिल्म 3 जुलाई 2026 को वेव्स ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। अपनी भावनात्मक कहानी, राजस्थानी संस्कृति की आत्मा और वैश्विक स्तर पर मिल रही पहचान के कारण ''ओमलो'' लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है।

फिल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस जयपुर में आयोजित की गई, जहां अभिनेता, लेखक, निर्देशक और निर्माता सोनू रणदीप चौधरी, निर्माता रोहित माखीजा, मनीष गोपलानी, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीत निर्देशक एवं गायक गाजी खान बरना, सह-निर्माता अजय राठौर, मुख्य अभिनेता शंभू महाजन, देव शर्मा, महेश जिलावा, वंदना गुप्ता तथा हेड ऑफ प्रोडक्शन एवं आर्ट डायरेक्टर यतीन राठौड़ ने मीडिया से बातचीत की।

फिल्म ''ओमलो'' बीकानेर के श्री डूंगरगढ़ स्थित धोळिया गांव में पूरी तरह शूट की गई है। यह कहानी एक सात वर्षीय बच्चे और एक ऊंट की समान परिस्थितियों में गुजरती जिंदगी के जरिए दर्द, संघर्ष, असहायता और समाज की सोच को बेहद संवेदनशील तरीके से सामने लाती है। फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी संपूर्ण शूटिंग राजस्थान में हुई है और इसमें राजस्थान के स्थानीय कलाकारों तथा वास्तविक किरदारों को ही शामिल किया गया है। फिल्म पूरी तरह राजस्थान की संस्कृति, लोक जीवन और भावनाओं का सजीव चित्रण करती है। फिल्म ने अपनी भावनात्मक कहानी और सशक्त प्रस्तुति के दम पर देश और विदेश के फिल्म समारोहों में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी है। अमेरिका के अटलांटा इंडियन फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का सम्मान अपने नाम किया। राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक पुरस्कार हासिल किए, जबकि गोल्डन ज्यूरी अवॉर्ड्स में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सम्मान मिला। बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ''ओमलो'' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री पुरस्कार जीते।

वहीं विंध्य इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान हासिल किया। ग्लोबल बेंगलुरु फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार पुरस्कार से नवाजा गया। लगातार मिल रही इन उपलब्धियों ने ''ओमलो'' को क्षेत्रीय सिनेमा की एक मजबूत और वैश्विक पहचान बना दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फलोदी की जिला समिति बैठक संपन्न, सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार पर बनी रणनीति

चमकता राजस्थान/अनिल सैन/फलोदी। फलोदी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) की जिला समिति बैठक जयनारायण मोहनलाल पुरोहित राजकीय पीजी महाविद्यालय में आयोजित हुई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों, सदस्यता अभियान और संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। जोधपुर ग्रामीण विभाग संगठन मंत्री अभिषेक ने कहा कि सदस्यता अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को संगठन से जोड़ना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। जिला प्रमुख डॉ. महेंद्र कड़ेला ने अनुशासन, नियमित संपर्क और विद्यार्थी हितों के लिए सक्रिय कार्य करने का आ''ान किया। विभाग संयोजक रावल जोशी ने टीम भावना के साथ सदस्यता अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया।

बैठक में जिला संयोजक समंदर सिंह राजपुरोहित ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। संगठन विस्तार के तहत संदीप उदानी को फलोदी, बाप, शेरगढ़ और देचू का भाग संयोजक तथा संजय ढाका को लोहावट, ओसियां, आऊ और बापिणी का भाग संयोजक घोषित किया गया। बैठक में नगर अध्यक्षों सहित जिले की विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बांदीकुई पुलिस की बड़ी सफलता, 15 साल से फरार 21 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। बांदीकुई पुलिस थाना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वर्ष 2011 के हाईवे डकैती मामले में 15 साल से फरार चल रहे 21 हजार के इनामी अपराधी राकेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मेरठ (उत्तर प्रदेश) का निवासी है और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से दूर था।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2011 में अलवर-मेघा हाईवे पर सरकारी कर्मचारी को बोलेरो में बैठाकर हथियारों के बल पर डकैती की वारदात को अंजाम दिया गया था। इस मामले में पहले ही 7 आरोपी गिरफ्तार हो चुके थे, जबकि राकेश कुमार फरार चल रहा था।

दौसा पुलिस की विशेष टीम ने साइबर सेल की तकनीकी सहायता, डाटा एनालिसिस और मुखबिर सूचना के आधार पर मेरठ में दबिश दी। पुलिस ने पहचान छिपाकर नगरपालिका कर्मचारी बनकर आरोपी के ठिकाने की पुष्टि की और उसे धर दबोचा। कार्रवाई की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के जन्मदिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण, गौशाला में की गौसेवा

चमकता राजस्थान/पत्रकार कश्मीर सिंह/तिजारा। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद आदरणीय श्री भूपेंद्र यादव के जन्मदिवस के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा तिजारा क्षेत्र में सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता के नेतृत्व में तिजारा के भर्तृहरि नगर स्थित शिव मंदिर उद्यान परिसर में 21 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही मौनी बाबा गौशाला पहुंचकर गौसेवा के लिए खल एवं गुड़ भेंट कर गौ स्वामानी का आयोजन किया गया।

भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल गुप्ता ने बताया कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के जन्मदिवस को सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और प्रकृति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रत्येक नागरिक को आगे आकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया। वहीं मौनी बाबा गौशाला में गौमाता की सेवा कर उनके लिए खल एवं गुड़ भेंट किया गया तथा गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर गौशाला अध्यक्ष कवर सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष बने सिंह बिधूड़ी, प्रजापति समाज के जिलाध्यक्ष सतपाल प्रजापति, जाटव समाज अध्यक्ष सुरेश फौजी, वाल्मीकि समाज अध्य

ग्रामीण सेवा शिविरों में मौके पर मिल रही राहतः सोनोखर और ऐंचवाड़ा में ग्रामीणों को सौंपे आवास के पट्टे

चमकता राजस्थान

अमर दीप सेन डीग। राज्य सरकार के मंशानुरूप अंतिम पंक्ति के आमजन को संबल प्रदान करने और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर 2026 ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इसी क्रम में मंगलवार को उपखंड कामां की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष शिविरों का आयोजन किया गया, जहाँ उपखंड प्रशासन द्वारा सजगता दिखाते हुए कई वर्षों से लंबित प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर पात्र ग्रामीणों को मालिकाना हक सौंपे गए।

कामां उपखंड की ग्राम पंचायत सोनोखर में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान बरसों पुराना इंतजार खत्म करते हुए दो परिवारों को बड़ी राहत दी गई। शिविर में प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सोनोखर पंचायत के अंतर्गत गांव दांदेड़ा निवासी खेम सिंह पुत्र गोविन्द सिंह तथा गांव गुरीरा निवासी रमेश पुत्र बाबू लाल को उनके आवास के पट्टे मौके पर ही तैयार कर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रदान किए गए। अपने खुद के आशियाने का वैध पट्टा प्राप्त होने पर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने इस संवेदनशील पहल के लिए राज्य सरकार व स्थानीय प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार, कामां उपखंड की ही ग्राम पंचायत ऐंचवाड़ा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर भी स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी सौगात लेकर आया। शिविर के दौरान गांव बादीपुर निवासी यादराम पुत्र करतार के आवास संबंधी दस्तावेज पूर्ण करवाकर उन्हें मौके पर ही आवास का पट्टा जारी किया गया। अपने घर का मालिकाना हक मिलने पर लाभार्थी और उनके परिजनों ने कहा कि प्रशासन का यह रुख बेहद सराहनीय है, जिससे उन्हें बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे गांव में ही अपना अधिकार मिल गया है। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पट्टा वितरण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को सीधे जोड़ा जा रहा है।

नागौर में यातायात नियम तोड़ने वालों पर पुलिस की सख्ती, एक दिन में 332 चालान, 29,100 रुपये जुर्माना वसूला

चमकता राजस्थान/मोहम्मद रफीक नागौर। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से नागौर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान पुलिस मुख्यालय के निर्देश तथा एएसपी नागौर श्री आशा राम चौधरी के मार्गदर्शन में 1 जून 2026 से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 29 जून 2026 को जिलेभर में यातायात पुलिस ने व्यापक कार्रवाई करते हुए मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के तहत कुल 332 चालान किए। कार्रवाई के दौरान विभिन्न यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए। पुलिस के अनुसार एमवी एक्ट की धारा 207 के तहत 3 वाहन जब्त किए गए, जबकि शराब पीकर वाहन चलाने (धारा 185) के 3 मामलों में चालान किए गए। इसके अलावा काली फिल्म लगे 28 वाहनों, बिना नंबर प्लेट वाले 17 वाहनों, ओवरलोड सवारी ले जा रहे 12 वाहनों, ओवरस्पीड के 89 मामलों, बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 79 चालकों तथा बिना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वाले 26 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अन्य विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर भी 75 चालान किए गए। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 29,100 रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई। नागौर यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाकर स्वयं और अन्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस (1 जुलाई) पर विशेष

स्वस्थ दांत और मसूड़े बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक -रिंडर

चमकता राजस्थान

देसूरी। भारत में प्रत्येक वर्ष 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया जाता है। यह दिवस समाज को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाले सभी चिकित्सकों एवं दंत चिकित्सकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

इस अवसर पर देसूरी की दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा रिंडर बारूपाल ने बताया कि स्वस्थ दांत और मसूड़े केवल अच्छी मुस्कान के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक हैं। मुंह की बीमारियों का प्रभाव पाचन तंत्र, हृदय स्वास्थ्य और मधुमेह जैसी कई समस्याओं पर भी पड़ सकता है। इसलिए दांतों की नियमित देखभाल और समय-समय पर जांच कराना बेहद जरूरी है।

डॉ. बारूपाल ने आमजन को सलाह देते हुए कहा कि दिन में कम से कम दो बार ब्रश अवश्य करें, विशेष रूप से रात को सोने से पहले। दांतों के बीच फंसे भोजन के कणों को हटाने के लिए फ्लॉस का उपयोग करें तथा हर छह महीने में एक बार दंत चिकित्सक से नियमित जांच अवश्य कराएं। इससे दांतों की सड़न, मसूड़ों की बीमारी और अन्य समस्याओं का समय रहते उपचार संभव हो जाता है।

उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सक केवल दांतों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि लोगों को बेहतर मौखिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाकर उनकी आत्मविश्वास से भरी मुस्कान को भी सुरक्षित रखते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सभी चिकित्सकों एवं दंत चिकित्सकों की सेवा, समर्पण और मानवता के प्रति उनके योगदान को नमन करना हम सभी का दायित्व है।

CA Day व Doctors' Day पर लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स करेगा उअ व चिकित्सकों का सम्मान

चमकता राजस्थान/राजेश कुमार वर्मा। कोटपूतली-बहरोड़ :- लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स द्वारा CA Day एवं Doctors' Day के उपलक्ष्य में बुधवार, 01 जुलाई 2026 को सायं 3:00 बजे पंचायत समिति मीटिंग हॉल, नीमराना में सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में चार्टर्ड अकाउंटेंट बंधुओं एवं चिकित्सक साथियों को उनके समाज सेवा व प्रोफेशनल योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। उअ राष्ट्र की आर्थिक रीढ़ को मजबूत करते हैं वहीं डॉक्टर समाज को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। दोनों के सम्मान में यह कार्यक्रम रखा गया है।

लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स District-3233 E-1, Zone-2, Region-9 Swati के अंतर्गत सेवा कार्यों में अग्रणी है। क्लब समय-समय पर सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहता है।

सचिव, लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स

जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला कलेक्टर ने किया जिला कारागृह ब्यावर का निरीक्षण, बंदियों की समस्याएं सुनीं

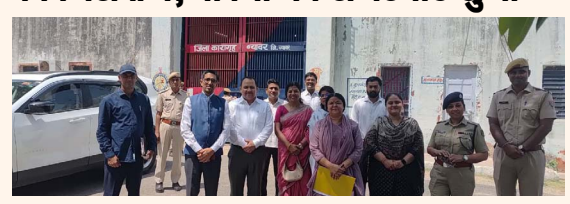

चमकता राजस्थान/ब्यावर। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय सुकन्या शांता बनाम भारत संघ के तहत पारित आदेशों की पालना में गठित बोर्ड ऑफ विजिटर्स कमेटी के निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज हारून, जिला एवं सत्र न्यायाधीश, ब्यावर तथा कमल राम मीणा, जिला कलेक्टर द्वारा जिला कारागृह ब्यावर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों की समस्याओं, सुविधाओं एवं उनके अधिकारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई।

'30 दिन में जानकारी नहीं, फिर शुल्क क्यों?' सूचना आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल, RTI अधिनियम की धारा 7(6) की अनदेखी?

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 आम नागरिकों को पारदर्शी और जवाबदेह शासन का अधिकार प्रदान करता है। लेकिन अब सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि इस कानून को लागू करने वाली संस्थाएं ही इसकी मूल भावना और प्रावधानों की अनदेखी कर रही हैं। RTI अधिनियम की धारा 7(6) स्पष्ट रूप से कहती है कि यदि कोई लोक प्राधिकरण 30 दिनों की निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं कराता, तो संबंधित आवेदक को वह सूचना पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य है। इसके बावजूद अनेक मामलों में प्रथम एवं द्वितीय अपीलों की सुनवाई दो से तीन वर्ष बाद होती है। सूचना आयोग सूचना उपलब्ध कराने का आदेश तो देता है, लेकिन कई आदेशों में धारा 7(6) के अनुसार सूचना निःशुल्क देने का स्पष्ट निर्देश नहीं दिया जाता। इसका परिणाम यह होता है कि आवेदकों को दोबारा सूचना शुल्क जमा करना पड़ता है या फिर अपने वैधानिक अधिकार के लिए अलग से संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में सवाल उठता है कि कानून द्वारा सुनिश्चित अधिकार को पाने के लिए नागरिकों को बार-बार लड़ाई क्यों लड़नी पड़े? सूचना अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि धारा 27 सरकार को नियम बनाने का अधिकार देती है, लेकिन धारा 7(6) के तहत नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क सूचना के वैधानिक अधिकार को सीमित या समाप्त करने का अधिकार किसी को भी नहीं दिया गया है। इसके बावजूद व्यवहार में इस अधिकार की अनदेखी की जा रही है।

नाज़िया इलाही खान के खिलाफ शिकायत दर्जः धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने और भड़काऊ बयानबाजी का आरोप

चमकता राजस्थान

मोहम्मद रफीक नागौर। दरगाह बड़े पीर साहब के सज्जादा नशीन सैयद सदाकत अली जीलानी ने सोमवार, 29 जून को नाज़िया इलाही खान के विरुद्ध नागौर के कोतवाली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। यह मामला नाजिया इलाही खान द्वारा इस्लाम धर्म और मुस्लिम समुदाय के प्रति कथित रूप से की जा रही आपत्तिजनक और भड़काऊ बयानबाजी के विरोध में जीलानी ने शिकायत दर्ज कराई है।

● पुलिस थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सैयद सदाकत अली जीलानी सुबह 11 बजे अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ कोतवाली थाना पहुँचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में नाज़िया इलाही खान पर इस्लाम धर्म, अल्लाह, कुरान, इस्लाम के आखिरी पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब और हज़रत मोहम्मद साहब की पत्नी हज़रत सैय्यदा आयेशा सिद्दीका के बारे में लगातार अपमानजनक टिप्पणियाँ करने का आरोप लगाया गया है। सैयद सदाकत अली जीलानी ने कहा कि नाज़िया इलाही खान द्वारा की जा रही ऐसी बयानबाजी से न केवल मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएँ आहत हुई हैं, बल्कि इससे समाज में नफरत फैलाकर देश का सौहार्दपूर्ण माहौल खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। जीलानी ने बताया कि शिकायत के साथ साक्ष्य के तौर पर नाज़िया इलाही खान के आपत्तिजनक बयानों वाले वीडियो की एक पेन ड्राइव भी पुलिस को सौंप दी गई है।

इस दौरान उनके साथ दरगाह बड़े पीर साहब के नायब सज्जादा नशीन सैयद सैफुद्दीन जीलानी, नागौर शहर काजी मेराज उस्मानी, शाहजानी मस्जिद के खतीब और ईमाम कारी सगीर अहमद, मौलाना मुफ्ती इमरान अशफाकी, दरगाह सू×फी साहब वक्फ कमेटी के सदस्य फारूक अंसारी, सुल्तान-उल-तारेकीन शिक्षण समिति के अध्यक्ष शकील अहमद बक्शी सहित मोहम्मद हुसैन लोहार, अय्यूब रंगरेज़, गफूर कंपाउंडर और मोहम्मद अनवर सहित समाज के कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संकट में पुलिस परिवारों का सहारा बनेगा 'अक्षय फंड' : एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की अभिनव पहल

चमकता राजस्थान/जयपुर! (खलील कुरैशी)30 जून। सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी की पहल पर पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों के कल्याण हेतु 'अक्षय फंड' की शुरुआत की गई है। इस अभिनव योजना के तहत किसी पुलिसकर्मी के आकस्मिक निधन की स्थिति में उसके परिजनों को तत्काल 3 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि पुलिस लाइन में कार्यरत कांस्टेबल कुंजीलाल के आकस्मिक निधन के बाद ऐसी स्थायी व्यवस्था की आवश्यकता महसूस हुई, जिससे संकट की घड़ी में पुलिस परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल मिल सके। इसी उद्देश्य से जिले के लगभग 1400 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के एक दिन के वेतन के स्वैच्छिक अंशदान से लगभग 16 लाख का कोष तैयार किया जा रहा है।

योजना की विशेषता यह है कि फंड की राशि समाप्त होने तक दोबारा कोई अंशदान नहीं लिया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर ही पुनः एक दिन के वेतन का स्वैच्छिक योगदान लिया जाएगा, जिससे कर्मचारियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार नहीं पड़ेगा और योजना आत्मनिर्भर रूप से संचालित होती रहेगी।यह पहल पुलिस संगठन में आपसी विश्वास, सहयोग, संवेदनशीलता और पारिवारिक भावना को सुदृढ़ करेगी। साथ ही प्रत्येक पुलिसकर्मी को यह भरोसा मिलेगा कि विपरीत परिस्थितियों में उसका परिवार अकेला नहीं रहेगा।एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी की यह जनकल्याणकारी एवं मानवीय पहल पुलिस कल्याण का एक अनुकरणीय मॉडल बनकर उभरी है, जिसे भविष्य में प्रदेश के अन्य जिलों में भी अपनाया जा सकता है। यह पहल इस सकारात्मक संदेश को सशक्त करती है कि खाकी केवल कानून की रक्षक ही नहीं, बल्कि अपने पुलिस परिवार की सुरक्षा, सम्मान और संवेदनाओं की भी सच्ची प्रहरी है।

घर में घुसकर महिला व बच्चों पर जानलेवा हमला,

- **महिलाओं से मारपीट, अभद्रता और तोड़फोड़ जैसे जघन्य आरोप; राजगढ़ थाने में गंभीर प्रकरण दर्ज**
- **पीड़ित पक्ष न्याय के लिए लगा रहा है पुलिस प्रशासन से गुहार**

चमकता राजस्थान/राजगढ़ (चूरू) । राजगढ़ कस्बे में एक महिला के घर में घुसकर कथित रूप से मारपीट, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, बच्चों पर हमला, पथराव और तोड़फोड़ की घटना ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर चिंता पैदा कर दी है। पीड़िता की रिपोर्ट पर राजगढ़ थाना पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, वार्ड संख्या 20 शीतला बाजार निवासी जुलेखा पत्नी राशिद ने आरोप लगाया है कि 24 जून 2026 की शाम करीब 6:30 बजे मोहम्मद अली, शफीक, आदिल तथा अन्य साथी लाठी, डंडों और लोहे की रॉड से लैस होकर उनके घर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए घर में घुसकर महिला, उसके बच्चों एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ बेरहमी से मारपीट की, महिलाओं के बाल खींचे, कपड़े फाड़े, अभद्र व्यवहार किया तथा घर पर पथराव कर मुख्य गेट को क्षतिग्रस्त कर दिया।रिपोर्ट के अनुसार, घटना में पीड़िता को गंभीर चोटें आईं। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान उसके सिर पर पट्टी बंधी होना, बाएं हाथ के अंगूठे पर चोट तथा बाजू में दर्द होना दर्ज किया गया।पुलिस ने प्रथम दृष्टया आरोपों के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 115(2), 126(2), 333 एवं 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान उपनिरीक्षक पारस कुमार को सौंप दिया है। गौरतलब है यदि जांच में आरोप पुष्ट होते हैं, तो यह घटना महिलाओं की सुरक्षा, घर में घुसकर हिंसा, सार्वजनिक शांति भंग करने तथा कानून के प्रति गंभीर अवमानना जैसे पहलुओं से जुड़ा गंभीर आपराधिक मामला माना जाएगा। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच प्रारंभ कर दी है।

जयपुर विकास प्राधिकरण का अवैध कॉलोनियों एवं निर्माणों पर लगातार प्रहार

तीन स्थानों पर बड़ी प्रवर्तन कार्रवाई: करीब 7 बीघा में विकसित हो रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के प्रभावी नेतृत्व,डीआईजी आनंद शर्मा के कुशल निर्देशन एवं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी की सख्त मॉनिटरिंग में अवैध विकास के प्रयास विफल

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन, पारदर्शिता एवं अवैध अतिक्रमणों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) लगातार अवैध कॉलोनियों, अवैध निर्माणों एवं अतिक्रमणों के विरुद्ध कठोर प्रवर्तन कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को जेडीए ने शहर के तीन अलग-अलग स्थानों पर व्यापक अभियान चलाकर करीब 7 बीघा क्षेत्र में विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों तथा कई अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर अवैध विकास के प्रयासों को प्रारंभिक स्तर पर ही विफल कर दिया।जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के प्रभावी नेतृत्व एवं सतत मॉनिटरिंग, उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा के कुशल निर्देशन तथा मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी की सख्त निगरानी में संचालित इस अभियान के तहत जोन-10 क्षेत्र में मित्तल कॉलेज के पास, जयसिंहपुरा खोर स्थित लगभग 5 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर बिना स्वीकृति एवं बिना भू-रूपांतरण विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई। यहां बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कें, प्लॉटों की बाउंड्रीवाल तथा अन्य अवैध निर्माणों को जेसीबी मशीन एवं श्रमिकों की सहायता से ध्वस्त कर दिया गया।इसी प्रकार जोन-14 के ग्राम दयालपुरा, पटवार हल्का मोहनपुरा, तहसील सांगानेर स्थित खसरा संख्या 119, 138 एवं 250 की करीब 2 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में बनाई गई सड़कें, डिमार्केशन एवं अन्य अवैध निर्माणों को भी हटाकर अवैध कॉलोनाइजेशन के प्रयास को पूरी तरह विफल कर दिया गया। दोनों मामलों में ध्वस्तीकरण पर हुए व्यय की नियमानुसार संबंधित व्यक्तियों से वसूली की जाएगी।इसके अतिरिक्त ग्राम बीलवा स्थित गैर अनुमोदित योजना हनुमान नगर फेज-प्रथम के प्लॉट संख्या 38, 39 एवं 40 पर अवैध रूप से निर्मित चारदीवारी, सीमेंट ब्लॉक संरचनाओं एवं अन्य निर्माणों को भी ध्वस्त किया गया।यह संपूर्ण कार्रवाई मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उप नियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-10 एवं जोन-14, जेडीए प्रवर्तन दस्ते, पुलिस जाप्ते, लेबर गार्ड तथा संबंधित जोनों के राजस्व एवं तकनीकी अधिकारियों की मौजूदगी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के नेतृत्व में प्राधिकरण द्वारा अवैध कॉलोनियों एवं अतिक्रमणों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि बिना स्वीकृति एवं नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार का अवैध विकास किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। वहीं डीआईजी आनंद शर्मा के प्रभावी निर्देशन और मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी की सक्रिय मॉनिटरिंग के चलते प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर गति पकड़ रही है तथा शहर में सुनियोजित एवं वैधानिक विकास सुनिश्चित करने की दिशा में जेडीए प्रभावी कदम उठा रहा है।

कार्यकारी निदेशक डॉ.हरसहाय मीणा के कुशल नेतृत्व में RFC का प्रभावी उद्योग प्रोत्साहन अभियान

एक दिन में 10.36 करोड़ के ऋण आवेदन, 5.50% ब्याज पर 2 करोड़ तक की वित्तीय सहायता से युवाओं को मिलेगा उद्योग स्थापना का संबल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) राजस्थान में आत्मनिर्भर एवं रोजगार सृजक युवा उद्यमियों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में राजस्थान वित्त निगम (फ्र्ह्र) ने एक प्रभावी पहल करते हुए जयपुर के सीतापुरा रीको परिसर में उद्योग प्रोत्साहन शिविर का सफल आयोजन किया। राजस्थान वित्त निगम के कार्यकारी निदेशक डॉ. हरसहाय मीणा (आईआरएस) के सक्रिय मार्गदर्शन, कुशल निर्देशन और प्रभावी प्रबंधन में आयोजित इस शिविर को उद्यमियों का अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला तथा एक ही दिन में 10 करोड़ 36 लाख रुपये के ऋण आवेदन प्राप्त हुए।कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि राजस्थान में उद्योग स्थापना के प्रति युवाओं का उत्साह बढ़ रहा है और राजस्थान वित्त निगम की पारदर्शी एवं उद्यमी हितैषी कार्यशैली पर उनका विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।कार्यकारी निदेशक डॉ. हरसहाय मीणा ने कहा कि राजस्थान वित्त निगम केवल ऋण प्रदान करने वाली संस्था नहीं, बल्कि नए उद्यमियों का विकास सहयोगी है। निगम का उद्देश्य युवाओं को उद्योग स्थापना की संपूर्ण प्रक्रिया, परियोजना निर्माण, वित्तीय प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें सफल उद्यमी बनने के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि निगम की प्रक्रियाओं को निरंतर सरल, पारदर्शी, समयबद्ध और उद्यमी हितैषी बनाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं तक वित्तीय सहायता सहजता से पहुंच सके।उन्होंने बताया कि निगम एनपीए में कमी लाने, वित्तीय अनुशासन बनाए रखने तथा उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर नए उद्योगों को वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी प्रयास कर रहा है। इससे प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति मिल रही है।शिविर में महाप्रबंधक पंकज पुरोहित ने बताया कि युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र युवाओं को केवल 5.50 प्रतिशत ब्याज दर पर 2 करोड़ रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजना का उद्देश्य युवाओं को रोजगार तलाशने के बजाय रोजगार सृजक बनाकर प्रदेश की आर्थिक प्रगति में भागीदार बनाना है।राजस्थान वित्त निगम उद्योगों के साथ-साथ होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स एवं अन्य सेवा क्षेत्रों को भी वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित भूमि के विरुद्ध ऋण सुविधा भी निवेशकों के लिए उद्योग स्थापना को सरल और व्यवहारिक बना रही है।डॉ. हरसहाय मीणा के नेतृत्व में आयोजित यह उद्योग प्रोत्साहन शिविर राजस्थान में औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और युवा उद्यमिता को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ। एक ही दिन में प्राप्त 10.36 करोड़ रुपये के ऋण आवेदन इस बात का प्रमाण हैं कि फ्र्ह्र की विश्वसनीय कार्यप्रणाली, प्रभावी प्रबंधन और उद्यमी हितैषी दृष्टिकोण ने युवाओं के बीच मजबूत विश्वास कायम किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के उद्योग प्रोत्साहन अभियान प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना, स्थानीय निवेश में वृद्धि और व्यापक रोजगार सृजन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

विधानसभा अमृत महोत्सव समारोह के लिए राज्यपाल को दिया आमंत्रण

- **स्पीकर वासुदेव देवनानी ने हरिभाऊ बागड़े से की शिष्टाचार मुलाकात**
- **ब्रेवहार्ट सावरकर' पुस्तक भेंट कर किया सम्मान**

चमकता राजस्थान/जयपुर। (खलील कुरैशी)राजस्थान विधानसभा के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में आगामी 15 जुलाई को आयोजित होने वाले 'विधायी गौरव यात्रा एवं पूर्व एवं वर्तमान सदस्य समागम' के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को लोकभवन में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें औपचारिक आमंत्रण दिया। राज्यपाल ने इस गरिमामय आयोजन में अपनी उपस्थिति की सहमति प्रदान की।भेंट के दौरान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल बागड़े का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा उन्हें 'ब्रेवहार्ट सावरकर' पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। यह मुलाकात आत्मीयता, संवैधानिक गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक रही।दोनों के बीच राजस्थान के समग्र विकास, लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुदृढ़ता, विधानसभा की प्रभावी कार्यप्रणाली, सुशासन तथा जनहित से जुड़े समसामयिक विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक विचार-विमर्श हुआ। संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा, लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षण तथा जनसेवा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि निरंतर संवाद, सकारात्मक समन्वय और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट निष्ठा ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रदेश की समृद्ध संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक विरासत और जनप्रतिनिधियों के उल्लेखनीय योगदान को सम्मानित करने का ऐतिहासिक अवसर है। यह आयोजन लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनविश्वास को और सुदृढ़ करने के साथ नई पीढ़ी को संसदीय मूल्यों एवं लोकतांत्रिक आदर्शों से प्रेरित करेगा।

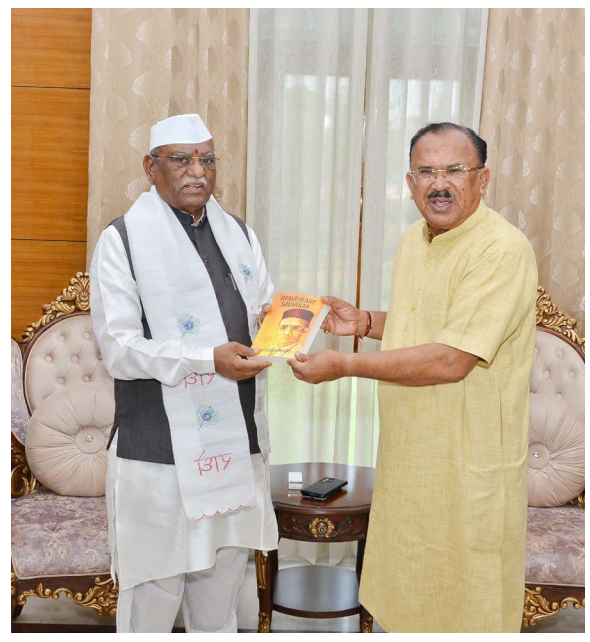

जिला जयपुर प्रथम में शक्ति दिवस का आयोजन

- **राजस्थान को अनिमिया मुक्त करना प्राथमिकता:- डॉ. रवि शेखावत**
- **चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में कर रहा है आयोजित**

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर प्रथम, 30 जून ' जिला जयपुर प्रथम में मंगलवार को शक्ति दिवस आयोजित किया गया।जिसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं और महिलाओं की अनिमिया की स्क्रीनिंग, हीमोग्लोबिन की जांच के साथ अनिमिया का उपचार किया गया और आयरन की टेबलेट्स का वितरण किया गया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि राजस्थान को अनिमिया मुक्त करने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के साथ मिलकर माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में आयोजित किया जाता है।उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (परिवार कल्याण) जयपुर प्रथम डॉ. धर्मेंद्र कराडि या ने बताया कि अभियान के तहत बच्चों, उन महिलाओं व किशोरियों में अनिमिया की दर कम करने के लिए उनकी अनिमिया की स्क्रीनिंग व उपचार किया जाता है। इसमे बच्चों, किशोरी बालिकाओं, विवाहित महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया मुक्ति के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने श्रीमद्भागवत कथा में किया सहभाग सेवा और संस्कार भारतीय संस्कृति की आत्मा

भागवत कथा जीवन को देती है सत्य, करुणा और समर्पण का संदेश :- वासुदेव देवनानी

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में श्री श्याम गौशाला, निमेड़ा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं सेवा संकल्प दिवस समारोह में सहभागिता कर कथा का श्रवण किया तथा संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर देवनानी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा भारतीय जीवन-दर्शन, नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक चेतना और लोकमंगल का सशक्त आधार है। भागवत मानव जीवन में सेवा, करुणा, सत्य, समर्पण, धर्मपालन और लोककल्याण की भावना जागृत करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में जन्मदिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि सेवा, गौसंवर्धन, परोपकार और समाजहित के संकल्प को साकार करने का प्रेरक पर्व है।उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में संस्कार, सामाजिक समरसता, मानवीय संवेदनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और राष्ट्रहित के मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक डॉ. कैलाश वर्मा को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं जनसेवा से समर्पित जीवन की मंगलकामना की। उन्होंने आयोजन समिति, श्री श्याम गौशाला प्रबंधन तथा सभी कार्यकर्ताओं के सेवा-समर्पण और सफल आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाजहित और लोककल्याण के ऐसे प्रयास अनुकरणीय हैं।समारोह में कथा व्यास, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धा, भक्ति और सेवा के वातावरण में संपन्न यह आयोजन भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरक संदेश देकर संपन्न हुआ।

- **स्पीकर ने दी बगरु विधायक डॉ.कैलाश वर्मा को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ**

आपत्ति आमंत्रण सूचनार्थ

मनोहरपुर नगर पालिका मण्डल मनोहरपुर द्वारा राजस्थान नगर पालिका अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के तहत क्षेत्र स्थित दो भूखण्डों के आवासीय से व्यावसायिक प्रयोजनार्थ भूमि-उपयोग परिवर्तन के प्रस्तावों पर आमजन से आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं।नगरपालिका के अनुसार राजेन्द्र कुमार यादव एवं रामकरण यादव द्वारा बाजार रोड, पटवार घर के सामने, मनोहरपुर स्थित खसरा संख्या 1161, 1442 एवं 1443/1 के क्रमशः 205 वर्गमीटर एवं 410 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाले भूखण्डों के भूमि-उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए हैं।यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रस्तावित भूमि-उपयोग परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस के भीतर आवश्यक प्रमाणों सहित अपनी लिखित आपत्ति नगर पालिका कार्यालय, मनोहरपुर में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण किया जाएगा नगरपालिका ने संबंधित सूचना का व्यापक प्रकाशन कर आमजन से समयावधि में अपने अभिमत एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करने का आग्रह किया है।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका मंडल मनोहरपुर
दिनांकः- 30/06/2026

संक्षिप्त समाचार

फरार स्थायी वारंटी गिरफ्तार, थाना खोह नागोरियान पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

- थानाधिकारी प्रकाश बिश्नोई के नेतृत्व में विशेष अभियान को मिली सफलता

चमकता राजस्थान/जयपुर !(खलील कुरैशी)30 जून। पुलिस आयुक्तालय जयपुर की ओर से फरार अपराधियों एवं स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना खोह नागोरियान ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए पिछले करीब पांच वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी कौशल चतुर्वेदी को गिरफ्तार किया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा (व्व्र) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल (फ्व्र) एवं सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा (फ्व्र) के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी प्रकाश बिश्नोई के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने लगातार तकनीकी एवं मानवीय सूचना संकलन, प्रभावी रणनीति और अथक प्रयासों के आधार पर आरोपी को जयपुर के लालपत नगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपी कौशल चतुर्वेदी, मूल निवासी बड़ह गांव, थाना मगोर्रा, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है, जो लंबे समय से न्यायालय द्वारा जारी स्थायी वारंट में फरार चल रहा था। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूर्ण कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।इस कार्रवाई में थानाधिकारी प्रकाश बिश्नोई की कुशल नेतृत्व क्षमता, प्रभावी निगरानी, सटीक रणनीति एवं टीम समन्वय की विशेष भूमिका रही। उनके निर्देशन में पुलिस टीम ने लगातार प्रयास कर फरार वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के समक्ष प्रस्तुत किया, जो अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की सख्त एवं प्रभावी कार्यशैली का प्रमाण है।पुलिस आयुक्तालय जयपुर द्वारा स्पष्ट किया गया है कि फरार अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, ताकि कानून का प्रभावी पालन सुनिश्चित करते हुए अपराधियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी से सनातन को हुई क्षति : धीरेन्द्र शास्त्री

भोपाल/एजेंसी। मध्य प्रदेश के छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अयोध्या के राम मंदिर में चोरी की घटना सामने आने पर दुख जताते हुए कहा है कि इस घटना से सनातन को क्षति हुई है । बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर की घटना से लाखों करोड़ों राम भक्तों की श्रद्धा को आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इस घटना से लोगों की मंदिर, संतो के प्रति जो श्रद्धा है उसे ठोस पहुंची है। जो हमारी सनातन परंपरा है, प्राचीन परंपराएं हैं जिससे लोग जुड़े हुए थे उनके हृदय पर आघात लगा।इस घटना से सनातन को क्षति हुई है। यह कुकृत्य जिन लोगों ने किया है, महादंड पाएंगे। उन्होंने रावण के अपराध का जिक्र करते हुए कहा कि रावण ने मां सीता का हरण किया था उसका समूल वंश का नष्ट हुआ था। जिन्होंने भगवान राम के यहां पर रहकर इस तरह का कार्य किया वे महादंड पाएंगे। उन्होंने कहा कि यही धर्मविरोधी ताकतें मंदिर और संतों पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर रहे हैं। राम मंदिर की इस घटना के बाद सनातनी वैष्णव परंपरा, संत परंपरा जो भगवान के प्रति पूर्ण समर्पित हैं, ऐसे लोगों को भगवान के मंदिर की सेवा का कार्य मिलना चाहिए।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने इंडोनेशिया के मुस्लिमों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को इंडोनेशिया जाना चाहिए और वहां देखना चाहिए कि वहां जो लोग दिन में पांच वक्त की नमाज पढ़ते हैं, वे दीपावली का दीया भी जलाते हैं। उन्होंने इंडोनेशिया के बाली का उदाहरण देते हुए कहा कि बाली एक ऐसी जगह है, जहां हिंदू बाहुल्य हैं और वहां हिंदू अपने नववर्ष पर 24 घंटे का निर्जला उपवास करता है, मौन रखता है और उसके समर्थन मे वहां के मुसलमान माइक से अजान नहीं पढ़ते हैं

सेवा ही परम धर्म:जनसेवा और विकास के लिए मेरा संपूर्ण जीवन समर्पित : सांसद राव राजेंद्र सिंह

जन्मदिवस सेवा सप्ताह के तहत मिश्रावास गौशाला में गौसेवा, पौधारोपण एवं भव्य सम्मान समारोह

चमकता राजस्थान

मनोहरपुर (खलील कुरैशी)। भारतीय जनता पार्टी के जनसेवा, राष्ट्रसेवा और अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा सप्ताह' के अंतर्गत मंगलवार को मिश्रावास गांव स्थित नारायणदास श्रीकृष्ण गौशाला में भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने सांसद का आत्मीय अभिनंदन करते हुए उनके जनसेवा और विकास कार्यों की मुक्त कंठ से सराहना की।कार्यक्रम के दौरान सांसद राव राजेंद्र सिंह ने गौशाला में गायों को गुड़ एवं हरा चारा खिलाकर गौसेवा की तथा गौमाता के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। इसके पश्चात उन्होंने गौशाला परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण का संकल्प दोहराया।इस अवसर पर सांसद राव राजेंद्र सिंह ने कहा कि ₹सेवा ही मेरा परम धर्म है। जनता का विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरा सर्वोच्च दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं भी इसी भावना के साथ क्षेत्र के प्रत्येक गांव, किसान, युवा, महिला और जरूरतमंद परिवार की सेवा को अपना कर्तव्य मानता हूं।₹उन्होंने कहा कि विकास केवल सड़कों और भवनों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, कृषि, रोजगार, सामाजिक समरसता, गौसंवर्धन और पर्यावरण संरक्षण जैसे प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर कार्य करना ही वास्तविक जनसेवा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी और जनभावनाओं के अनुरूप विकास कार्य निरंतर जारी रहेंगे कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव ने कहा कि सांसद राव राजेंद्र सिंह ने अपने कार्यकाल में विकास कार्यों को नई गति प्रदान की है। उनकी सहज कार्यशैली, जनसंपर्क और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान की भावना उन्हें जनता के बीच लोकप्रिय बनाती है।सेवानिवृत्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कल्याण बक्स गुर्जर ने कहा कि सांसद राव राजेंद्र सिंह ने क्षेत्र के विकास, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उनकी सकारात्मक सोच और सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायी है।

ये भाजपा कार्यकर्तागण रहें मौजूद

कार्यक्रम में गौशाला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद सोनी, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी, पूर्व उपप्रधान शंकरलाल यादव, धोलूराम यादव, बीएसएनएल सलाहकार समिति सदस्य संतोष माधानी, आनंद मिश्रा, शिवराम गुर्जर, जयराम गुर्जर, बल्लूराम यादव, ओमप्रकाश यादव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य मुरलीधर यादव, एडवोकेट बी.एस. बेनीवाल, जमील खान चौहान, सीताराम यादव, नेतराम यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, गौभक्त एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।
कार्यक्रम के अंत में गौशाला परिसर में सामूहिक पौधारोपण किया गया तथा गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए सांसद राव राजेंद्र सिंह के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की गई। पूरे आयोजन में सेवा, संस्कार, राष्ट्रहित और जनकल्याण की भावना स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में सम्मानित हुए मनोहरपुर की माटी के लाल डॉ. दीपेंद्र शर्मा

चमकता राजस्थान

- शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर मिला 'भामाशाह प्रेरक सम्मान'
- उदयपुर के राजकीय विद्यालयों में 1.34 करोड़ रुपये का फर्नीचर उपलब्ध कराने में निभाई अहम भूमिका,
- जनसेवा के कार्यों की भी हुई सराहना

जयपुर/मनोहरपुर। (खलील कुरैशी)राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर स्थित बिरला ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में मनोहरपुर निवासी डॉ. दीपेंद्र शर्मा (पुत्र मुरलीधर संतका) को शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित ₹भामाशाह प्रेरक सम्मान₹ से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राज्य के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा तथा शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री डॉ. मदन दिलावर ने प्रदान किया।समारोह में शिक्षा के विकास, जनसहभागिता तथा भामाशाहों को प्रेरित कर सरकारी विद्यालयों में संसाधनों के विस्तार में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। डॉ. दीपेंद्र शर्मा का चयन शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और समाजहित में किए गए प्रभावी प्रयासों के आधार पर किया गया।डॉ. दीपेंद्र शर्मा ने इंडिया इंफोलाइन फाउंडेशन को प्रेरित कर उदयपुर जिले के राजकीय विद्यालयों में लगभग 1 करोड़ 34 लाख रुपये मूल्य का आधुनिक फर्नीचर उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल से अनेक विद्यालयों में अध्ययनरत हजारों विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हुईं, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता को भी मजबूती मिली।राजकीय सेवा के साथ-साथ डॉ. शर्मा समाजसेवा के क्षेत्र में भी निरंतर सक्रिय रहे हैं। वे समय-समय पर जरूरतमंदों की सहायता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। कुछ वर्ष पूर्व जयपुर में सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए मादाराम देवासी के परिवार को उत्कर्ष पूर्व छात्र परिषद के माध्यम से डॉ. निर्मल गहलोत के सहयोग से 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी व्यापक सराहना हुई थी।राज्य स्तरीय सम्मान प्राप्त होने पर मनोहरपुर सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष और गौरव का वातावरण है। शिक्षाविदों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न वर्गों के लोगों ने डॉ. दीपेंद्र शर्मा को बधाई देते हुए इसे शिक्षा, समाजसेवा औरजनसहभागिता के क्षेत्र में उनके सतत समर्पण का सम्मान बताया। यह उपलब्धि समाज के अन्य लोगों को भी शिक्षा एवं जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करेगी।

मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने निदेशालय गृह रक्षा विभाग की ली महत्वपूर्ण व्यापक समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

- राजस्थान गृह रक्षा प्राथमिकताएँ-2026' पुस्तिका का किया विधिवत विमोचन
- गृह रक्षा स्वयंसेवकों के हित और विभाग के आधुनिकीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता:- बाबूलाल खराड़ी

जयपुर!(खलील कुरैशी)30 जून। जनजातीय क्षेत्रीय विकास एवं गृह रक्षा मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने मंगलवार को निदेशालय गृह रक्षा, जयपुर में विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक लेकर गृह रक्षा संगठन के आधुनिकीकरण, प्रशासनिक सुधारों तथा स्वयंसेवकों के कल्याण से जुड़े विषयों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने 'राजस्थान गृह रक्षा प्राथमिकताएँ-2026' पुस्तिका का विमोचन किया तथा रिक्त पदों पर शीघ्र नामांकन और लंबित विभागीय प्रस्तावों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।बैठक में महानिदेशक गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल, महानिरीक्षक राजेश मीना, शासन उप सचिव सोविला माथुर, सलाहकार कैलाश चौधरी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने संगठन की कार्यप्रणाली, स्वयंसेवकों के नियोजन, प्रशिक्षण व्यवस्था, विभागीय प्रबंधन, आधुनिकीकरण एवं पारदर्शी प्रशासन संबंधी प्रयासों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। खराड़ी ने कहा कि गृह रक्षा स्वयंसेवक अल्प मानदेय के बावजूद कोरोना महामारी, बाढ़, आगजनी तथा अन्य आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में निष्ठा, समर्पण और सेवा-भाव से दायित्व निभाकर समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में होमगार्ड डिप्लॉयमेंट मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के माध्यम से पारदर्शी नियोजन व्यवस्था को विभागीय सुधारों की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।मंत्री ने स्वयंसेवकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कल्याण कोष, दैनिक भत्ते एवं अन्य लंबित मामलों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया तथा रिक्त पदों पर जल्द भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्मिकों के कार्यों की सराहना करते हुए आमजन की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और नागरिक सहायता में गृह रक्षा विभाग की भूमिका को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने पर बल दिया।

उफनती चंपा नदी में बाइक समेत बहे दो ग्रामीण:

- रपटा पार करते समय हुआ दर्दनाक हादसा, एक किलोमीटर दूर झाड़ियों में मिले दोनों के शव

बैतूल/एजेंसी। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के चिचोली थाना क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। चंपा नदी का उफान दो ग्रामीणों की जान ले गया। दोनों युवक बाइक से घर लौट रहे थे और पानी में डूबे रपटे को पार करने की कोशिश के दौरान तेज बहाव में बह गए। मंगलवार सुबह उनके शव घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर नदी किनारे झाड़ियों में फंसे मिले।
जानकारी के अनुसार, सिप्लाई गांव निवासी 42 वर्षीय राजेश बिहारे और 40 वर्षीय दद्दू धुर्वे सोमवार शाम देवपुर से अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान चंपा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से रपटा पूरी तरह पानी में डूब चुका था। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को कुछ देर रुककर पानी कम होने का इंतजार करने की सलाह भी दी, लेकिन उन्होंने बहते पानी के बीच से बाइक निकालने का प्रयास किया। इसी दौरान तेज बहाव उन्हें बाइक समेत बहाकर ले गया।
घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने रातभर दोनों की तलाश की, लेकिन अंधेरा और तेज बहाव के कारण सफलता नहीं मिली। मंगलवार सुबह कुंवर देव टेकड़ा के पास नदी किनारे झाड़ियों में दोनों के शव दिखाई दिए। सूचना पर चिचोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली भेजा

ढबास परिवार के पारिवारिक कार्यक्रम में पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल की आत्मीय उपस्थिति

आलोक बेनीवाल के सामाजिक सामंजस्य, एकजुटता और सतत जनसंपर्क को मिल रहा निरंतर उत्कृष्ट आयाम

चमकता राजस्थान

शाहपुरा।(खलील कुरैशी) शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में अपने सतत जनसंपर्क और सक्रिय राजनीतिक सहभागिता के लिए पहचाने जाने वाले पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने शाहपुरा के प्रतिष्ठित ढबास परिवार के पारिवारिक कार्यक्रम में शिरकत कर परिवारजनों को शुभकामनाएं दीं। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम का वातावरण और अधिक गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण हो गया।कार्यक्रम में पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल का ढबास परिवार एवं उपस्थित लोगों ने आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, सामाजिक प्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात कर क्षेत्र के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बेनीवाल ने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए लोगों से निरंतर संवाद बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।अपने संबोधन में आलोक बेनीवाल ने कहा कि ₹जनता का विश्वास और स्नेह ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। राजनीति केवल चुनाव तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर सुख-दुख में सहभागी बनने का माध्यम है। परिवारों के ऐसे आयोजन सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने के साथ-साथ आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता को भी नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। मैं हमेशा क्षेत्र की जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने तथा उनके समाधान के लिए प्रयासरत रहूंगा।₹उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को विकास, शिक्षा, युवाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक सौहार्द के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। क्षेत्र की प्रगति जनभागीदारी और आपसी विश्वास से ही संभव है।कार्यक्रम में निवर्तमान नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी, राजेश मंडोवरा, कालूराम ढबास, निवर्तमान पार्षद इंद्राज पलसानिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ढबास परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने परिवार को शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने का आ''ान किया।पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल की कार्यक्रम में सहज एवं आत्मीय मौजूदगी ने एक बार फिर उनके निरंतर जनसंपर्क और लोगों से जुड़े रहने की कार्यशैली को रेखांकित किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जहां सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और जनसहभागिता का संदेश प्रमुखता से उभरकर सामने आया।

कांग्रेस हमेशा आदिवासी, दलित, पिछड़े और शोषित-वंचितों के अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध : विधायक गणेश घोघरा

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। सरमथुरा स्थित कन्हैया पैलेस में जिला स्तरीय आदिवासी कांग्रेस सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष एवं विधायक गणेश घोघरा रहे। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी धौलपुर के अध्यक्ष एवं विधायक संजय कुमार जाटब , प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश संगठन महासचिव हरगुण भोपर, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी रितु मीणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता जिला आदिवासी कांग्रेस धौलपुर के अध्यक्ष राम लखन मीणा ने की। सम्मेलन में जिले भर से आदिवासी कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।मुख्य अतिथि विधायक गणेश घोघरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आदिवासी, दलित, पिछड़े, शोषित एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कहा कि जल,

जंगल और जमीन पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को संगठित होकर संघर्ष करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार आरक्षण समाप्त करने तथा अभ्यारण्य एवं सेंचुरी के नाम पर लोगों को विस्थापित करने का प्रयास कर रही है, जिसका कांग्रेस पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि सरमथुरा क्षेत्र की समस्याओं को विधायक संजय कुमार के साथ मिलकर विधानसभा में मजबूती से उठाया जाएगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं विधायक संजय कुमार ने कहा कि धौलपुर जिले में आदिवासी समाज की समस्याओं के समाधान के लिए कांग्रेस लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि यह भूमि केवल निवास स्थान नहीं बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा और पीढ़ियों की धरोहर है, जिसे किसी भी कीमत पर छीना नहीं जाने दिया जाएगा। प्रदेश संगठन महासचिव हरगुण भोपर एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रितु मीणा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा आदिवासी समाज के विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार और वन अधिकारों से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी है। जिला अध्यक्ष राम लखन मीणा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूती से खड़ी है। पूर्व प्रधान लाखन सिंह खिडोरा ने संगठन की एकजुटता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस प्रवक्ता धनेश जैन ने किया तथा समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर सुवालाल जाटव, सोनू यादव, योगेश शर्मा, रघुवीर मीणा, रामेंद्र मीणा, विनेश, संजय अग्रवाल, पुरुषोत्तम मित्तल, कयूम खान, बच्चन मीणा सरपंच, बद्री प्रसाद जाटव, ओमप्रकाश केन, देवेंद्र मीणा, दुर्गा सिंह मीणा, बजरंग सरपंच, ओमवास शर्मा, योगेश अग्रवाल, अनिल आरेला, दिनेश मीणा, भारत लाल मीणा सरपंच, केदार मीणा, रामनाथ मीणा, रामेश्वर मीणा, बच्चू मीणा, मुकेश कुमार एवं अमर सिंह मीणा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भक्ति, सेवा और समाज सुधार का विराट संगम बना सतलोक आश्रम सोजत, तीन दिवसीय महासमागम सम्पन्न

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन झालावाड़। कबीर साहेब जी के 629वें प्रकट दिवस पर संत रामपाल जी महाराज के सानिध्य में सतलोक आश्रम सोजत में आयोजित तीन दिवसीय महासमागम का सोमवार को दिव्य समापन हो गया। देश-विदेश के सभी 14 सतलोक आश्रमों में एक साथ आयोजित इस विश्वस्तरीय आयोजन में करोड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक ज्ञान एवं समाज सुधार के संदेश को आत्मसात किया।

महासमागम के दौरान देसी घी के विशाल सदाव्रत भंडारे, अखंड अमरवाणी पाठ, विशाल सत्संग, निःशुल्क नामदीक्षा, रक्तदान एवं देहदान शिविर, आध्यात्मिक प्रदर्शनी तथा दूसरे दिन सम्पन्न हुए 51 दहेजमुक्त विवाह श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने। बिना दहेज और बिना किसी दिखावे के सम्पन्न इन विवाहों ने समाज को कुरीतियों से मुक्त नई दिशा देने का संदेश दिया।

समारोह के अंतिम दिन कबीर साहेब जी को भोग अर्पित कर अमरवाणी पाठ का समापन किया गया। आश्रम में लगी प्रदर्शनी में विभिन्न धर्मग्रंथों के आध्यात्मिक प्रमाणों को सरल एवं वैज्ञानिक शैली में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखने हजारों श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 500 से अधिक लोगों ने संत रामपाल जी महाराज से नामदीक्षा लेकर नशामुक्त एवं सदाचारी जीवन जीने का संकल्प लिया।

अपने सत्संग में संत रामपाल जी महाराज ने बताया कि पूर्ण मोक्ष केवल शास्त्रानुसार भक्ति से ही संभव है। उन्होंने समाज से नशा, पाखंड, अंधविश्वास और दहेज जैसी कुरीतियों को समाप्त करने का आ''ान किया। साथ ही ₹अन्नपूर्णा मुहिम₹ के माध्यम से गरीब, किसान और जरूरतमंद परिवारों के उत्थान के लिए चलाए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी भी दी गई।

रिटायरमेंट से एक दिन पहले शिक्षक बर्खास्त, 34 साल पुराना फर्जीवाड़ा उजागर

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले से शिक्षा विभाग का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक सरकारी शिक्षक को रिटायरमेंट से महज एक दिन पहले नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया। बागीदौरा ब्लॉक में कार्यरत शिक्षक लक्ष्मीनारायण 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन 29 जून को ही विभाग ने उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए सेवा समाप्त कर दी।

जानकारी के अनुसार,

लक्ष्मीनारायण की नियुक्ति वर्ष 1992 में हुई थी। हाल ही में राजस्थान संपर्क पोर्टल पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई, जिसमें नियुक्ति के समय फर्जी शैक्षणिक दस्तावेज लगाने का आरोप लगाया गया। शिकायत के बाद जिला परिषद ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और संबंधित विभागों से रिकॉर्ड की जांच करवाई।

जांच में बड़ा खुलासा हुआ कि शिक्षक ने सेकेंडरी, हायर सेकेंडरी और एसटीसी परीक्षा की फर्जी मार्कशीट प्रस्तुत कर नौकरी हासिल की थी। रिकॉर्ड के अनुसार वह सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी में थर्ड डिवीजन से पास था, जबकि नियुक्ति के लिए जमा दस्तावेजों में खुद को फर्स्ट डिवीजन दर्शाया गया। वहीं शिक्षा विभाग बीकानेर के पास एसटीसी परीक्षा का कोई रिकॉर्ड ही नहीं मिला।

मामले की समीक्षा जिला स्थापना समिति की बैठक में की गई। फर्जीवाड़े की पुष्टि होने के बाद राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 91(3) के तहत कार्रवाई करते हुए 29 जून को तत्काल प्रभाव से बर्खास्तगी का आदेश जारी कर दिया गया।

इस कार्रवाई ने सरकारी नियुक्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर बड़ा संदेश दिया है। शिक्षा विभाग ने साफ किया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त सरकारी नौकरी किसी भी हाल में स्वीकार नहीं की जाएगी, चाहे मामला कितना भी पुराना क्यों न हो।

सादडी के बिस्किट गोदाम में लगी आग, सामान हुआ राख:

- **दूसरी मंजिल पर फंसे 4 लोगों को किया रेस्क्यू, 5 घंटे में 3 दमकल ने आग पर पाया काबू**

चमकता राजस्थान/(सादड़ी)पाली-भीकाराम। कस्बे में देर रात करीब एक बजे रणकपुर सड़क मार्ग स्थित विनायक एजेंसी के गोली बिस्किट गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम की उपरी मंजिल में चार लोग फंस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम ने समय रहते चारों का रेस्क्यू कर लिया।

- **आग लगने से गोदाम में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया।**

जानकारी के अनुसार, यह आग मोहनलाल और चुनाराम चौधरी (निवासी फालना, हाल निवासी सादड़ी) के गोली बिस्किट गोदाम में लगी थी।

- **4 लोग फंसे**

इस दौरान आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम की ऊपरी मंजिल पर रेखा सोलंकी, सुरेश सोलंकी, तपस्या सोलंकी और अंकिता सोलंकी धुएं और आग की लपटों में फंस गए।

पल्स पोलियो महाअभियान के तहत आंगनवाड़ी के बच्चों को पिलाई दवा

- **घर-घर संपर्क कर वंचित बच्चों को दी पोलियो की खुराक**

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। उपखंड क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम पंचायत अमीरामा के स्थित मानपुरा विद्यालय आंगनवाड़ी केंद्र पर पल्स पोलियो महाअभियान के तहत 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई

सुपरवाइजर गजेंद्र कुमार शर्मा अपनी टीम सहित केंद्र पर पहुंचे। रविवार को पोलियो अभियान दिवस से वंचित रह गए पात्र बच्चों को घर-घर संपर्क अभियान के माध्यम से दवा पिलाई गई। इस राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन अभियान के तहत मानपुरा के आंगनवाड़ी केंद्र पर लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने का प्रयास किया गया

प्रधानाध्यापक भगवत सिंह शक्तावत ने पात्र बच्चों को दवा पिलाते हुए अभिभावकों से आह्वान किया कि जब भी सरकार इस प्रकार के अभियान चलाती है, तब हम सभी को इसका हिस्सा बनकर स्वास्थ्य विभाग के अभियान को जन अभियान बनाना चाहिए

यह जानकारी देते हुए शिक्षक सतपाल धाकड़ ने बताया कि पोलियो अभियान में हम सभी की जिम्मेदारी है कि हर पात्र बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक मिले।

नागौर जिला मुख्यालय मे सैयद सैफुद्दीन जीलानी रोड पर भारत की सबसे बड़ी और पुरे विश्व मे दूसरा स्थान रखने

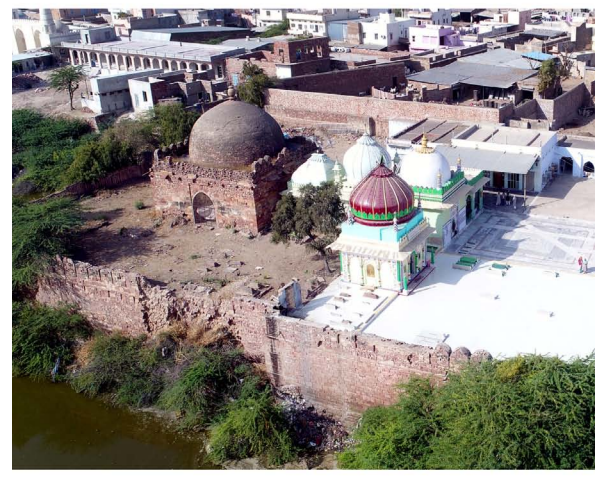

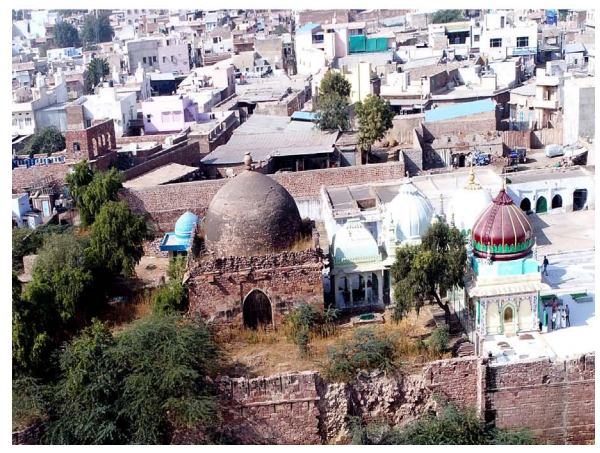

चमकता राजस्थान/मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर राजस्थान टूरिज़म मे शामिल कादरिया संप्रदाय की 800 वर्षो से भी अधिक पुरानी ऐतिहासिक बड़े पीर साहब की दरगाह स्थित है। ये दरगाह समस तालाब के किनारे पर बनी हुवी है इस दरगाह से सभी धर्म और जाती के लोगों की आस्था जुड़ी हुवी है। समस तालाब के जिस दीवारों के किनारे पर ये दरगाह बनी हुवी है इस समय ये दीवारें पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं और बरसात के दिनों मे ये क्षतिग्रस्त दीवारें लगातार और ज़ियादा गिरती जारही हैं जिससे पूरी दरगाह को खतरा पैदा होगया है। दरगाह के सज्जादा नशीन सैयद सदाकत अली जीलानी ने बताया की इस सम्बन्ध मे कई बार नागौर प्रशासन और राज्य सरकार को लिख कर भी दिया लेकिन किसी भी तरह से कोई कार्रवाही नहीं हुवी। जीलानी ने ये भी बताया की उन्होंने एक वर्ष पूर्व भी राज्य की उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी को भी इस सम्बन्ध मे पत्र लिखा था इसके बावजूद भी कोई कार्रवाही नहीं हुवी। अगर जल्द ही इन क्षतिग्रस्त दीवारों की मरम्मत नहीं हुवी तो किसी भी तरह की अनहोनी घटना हो सकती है जिसकी पूर्ति करना किसी भी तरह से संभव नहीं होगा। यहाँ उर्स मेलों का भी आयोजन होता है जिसमे देश भर से हज़ारो ज़ायरीन शिरकत करते हैं।तथा विदेशी पर्यटकों का आना जाना भी लगा ही रहता है। इन क्षतिग्रस्त दीवारों के कारण यहाँ आने वाले ज़ायरीनो व पर्यटको की जान का जोखिम भी बना हुवा है। जीलानी ने ये भी बताया की इतना करने के बावजूद भी अगर इन क्षतिग्रस्त दीवारों की मरम्मत का कार्य अगर जल्द ही शुरू नहीं हुवा तो भविष्य मे राजस्थान उच्च न्यायालय की शरण भी ली जा सकती है।

52 पशुपालकों ने लिया भाग, सिरोही बकरी फार्म का कराया भ्रमण

उन्नत पशुपालन, टीकाकरण व कृमिनाशक पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान

रामसिंह मीणा रघुनाथपुर ा/बड़ीसादड़ी। राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रसार शिक्षा निदेशालय बीकानेर के अंतर्गत पशु विज्ञान केंद्र चित्तौड़गढ़ के द्वारा उन्नत पशुपालन, टीकाकरण, कृमिनाशक दवा एवं खेत बचाओ अभियान विषय पर एक दिवसीय संस्थागत पशुपालक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. मुकेश चंद्र शर्मा ने पशुपालकों को पशुपालन के महत्व के बारे में बताया तथा भविष्य में उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पशु की नस्ल

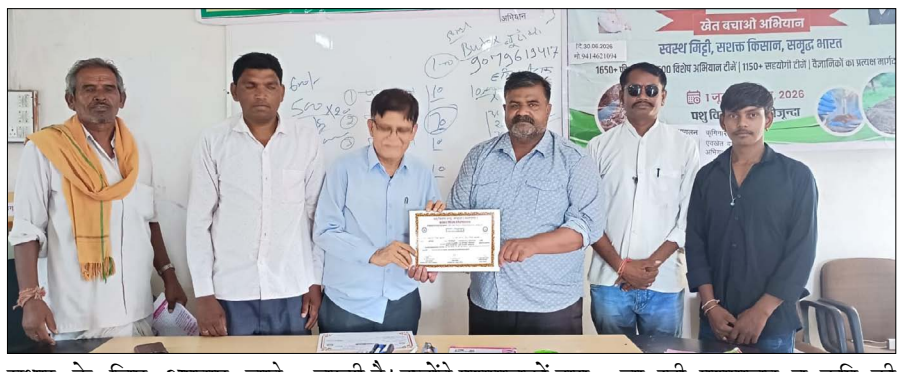

सुधार के लिए अपनाए जाने वाले विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. शर्मा ने बताया कि पशुओं की नस्ल सुधारने और अधिक दूध उत्पादन के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ-साथ अपनी देसी अच्छी नस्लों का संरक्षण करना भी बहुत जरूरी है। उन्होंने पशुपालकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। पशु पोषण, पशु आहार बनाने के तरीके, टीकाकरण व कृमिनाशक दवा के बारे में जानकारी दी

आत्मा कृषि विभाग के परियोजना निदेशक हरीश टांक ने पशुपालकों को कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही पशुपालन व कृषि की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने भारत सरकार के खेत बचाओ अभियान और जैविक खेती के बारे में पशुपालकों को प्रेरित किया।

केंद्र के पशुधन सहायक ने पशुओं में फैलने वाली विभिन्न संक्रामक और असंक्रामक रोगों के कारण, लक्षण, बचाव एवं प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की तथा पशुओं में होने वाले परजीवी रोग एवं रोकथाम के बारे में बताया। केंद्र की सेवाओं के बारे में पशुपालकों को अवगत कराया गया

पशुपालकों को सिरोही बकरी फार्म का भ्रमण करवाया गया तथा पशुपालकों के मध्य पशु प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रथम विजेता दयाल सिंह झाला, द्वितीय विजेता जवान सिंह रावत व तृतीय विजेता सुरेश चंद्र शर्मा को इनाम वितरित किए गए। सभी पशुपालकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी दिए गए। कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़ जिले के 52 पशुपालकों ने भाग लिया।

नशा तस्करों और हिस्ट्रीशीटरों पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, करोड़ों की सरकारी भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

चमकता राजस्थान

श्रीगंगानगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। जिले में अपराध और अवैध कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशा तस्करों, हिस्ट्रीशीटरों एवं आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों द्वारा सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई।

पुलिस थाना सूरतगढ़ शहर और पुरानी आबादी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कुल छह अतिक्रमण हटाए गए। सूरतगढ़ में मुस्तफा खान, रामजीलाल उर्फ रामू भाट और हिस्ट्रीशीटर विकास उर्फ विक्की मील द्वारा नगरपालिका, ग्राम पंचायत और हाउसिंग बोर्ड की भूमि पर किए गए अवैध कब्जों को हटाकर पांच प्लॉट प्रशासन के कब्जे में लिए गए।

इसके अलावा पुरानी आबादी क्षेत्र में नशा तस्कर राहुल कुमार द्वारा सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर आमजन के लिए रास्ता सुचारू रूप से खुलवाया गया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार विकास उर्फ विक्की मील के खिलाफ 18, रामजीलाल उर्फ रामू भाट के खिलाफ 11 तथा मुस्तफा खान के खिलाफ 3 आपराधिक मामले दर्ज हैं। प्रशासन का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की बड़ी और सख्त पहल माना जा रहा है, जिससे सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा के साथ-साथ आमजन में भी कानून के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929